दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 349

ग्वालियर, गुरुवार 08 सितम्बर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

खास खबर

मंगोलिया में रक्षामंत्री को तोहफे में मिला सफेद धोड़ा, राजनाथ ने नाम दिया तेजस

लंदन। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 6 सितंबर को मंगोलिया की राजधानी उलान बतोर पहुंचे थे। अपने पहले आधिकारिक यात्रा पर रक्षामंत्री सिंह ने मंगोलियन राष?ट्रपति उखनागीं खुरेलसुखो से मुलाकात की। राजनाथ सिंह को एक खूबसूरत सफेद घोड़ा उपहार में दिया। राजनाथ घोड़े की चपलता से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने इस घोड़े का नाम तेजस रखा दिया। रक्षा मंत्री के मंगोलिया दौरे को विशेषज्ञ एक खास दौरा करार दे रहे हैं। दिसंबर 1955 में भारत ने मंगोलिया के साथ राजनयिक रिश?तों की शुरुआत की थी। रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह की यह पहली मंगोलिया यात्रा है। मंगोलिया उत?तर में रूस के साथ और दक्षिण में चीन के साथ बॉर्डर साझा करता है। इस लिहाज से राजनाथ की मंगोलिया यात्रा का विशेष महत्व है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगोलिया की राजधानी उलान बतोर में राष्ट्रपति महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

यूनियन के साथ हुए समझौते के बाद लुफ्थांसा के पायलटों की हड़ताल स्थगित

लुफ्थांसा। एयरलाइंस के पायलटों का प्रतिनिधित्व कर रही एक यूनियन ने जर्मनी की सबसे बड़ी विमानन कंपनी के साथ वेतन को लेकर हुए विवाद पर समझौता होने के बाद अंतिम समय में दो दिनों की प्रस्तावित हड़ताल वापस ले ली। द वेरिनिगुंग कॉकपिट यूनियन ने वेतन वृद्धि के मामले में गंभीर पेशकश की मांग हुए बुधवार और गुरूवार को हड़ताल करने की घोषणा की थी। गौरतलब है कि शुक्रवार को भी पायलटों ने हड़ताल की थी जिसके कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द हो गई थीं और यह सप्ताह भर के भीतर पायलटों की दूसरी हड़ताल होती। जल्दबाजी में मंगलवार को बुलायी गई बैठक में यूनियन ने कहा कि दोनों पक्षों में विस्तृत वित्तीय और संगठनात्मक संरचना के मुद्दों पर सैद्धांतिक सहमति बनी है, जिसका विवरण आने वाले दिनों में तय किया जाएगा। बातचीत के बाद यूनियन ने हड़ताल वापस ले ली।

शिवसेना पर किसका अधिकार, इस पर 27 को आ सकता है फैसला

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बनाम शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की जंग के लिए 27 सितंबर अहम दिन साबित हो सकता है। खबर है कि सुप्रीम कोर्ट राज्य के सियासी संकट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करने जा रहा है। इससे पहले 5 सदस्यीय बेंच की तरफ से 25 अगस्त को सुनवाई की जानी थी, लेकिन अभी तक सुनवाई नहीं हुई। खास बात यह है कि इसे आगामी बीएमसी चुनाव के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। वहीं, शिवसेना में दशहरा रैली को लेकर रार जारी है। अब विस्तार से समझते हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में कौन से विवाद जारी हैं। महाराष्ट्र में करीब 50 विधायकों का समर्थन हासिल कर चुके शिंदे गुट खुद को असली शिवसेना बता रहा था। इसके बाद ठाकरे के नेतृत्व वाले समूह ने शीर्ष न्यायालय का रुख किया, जहां राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की तरफ से शिंदे को सरकार के लिए बुलाए जाने के फैसले को चुनौती दी गई थी। साथ ही ठाकरे कैंप ने शिंदे का समर्थन कर रहे विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग भी की थी। शिंदे कैंप की तरफ से असली शिवसेना की मान्यता पाने के लिए आवेदन किया गया था। इस पर शीर्ष न्यायालय ने भारत निर्वाचन आयोग को पत्र भेजकर आवेदन पर फैसले नहीं करने के आदेश दिए थे। साथ ही कोर्ट ने मामले को 25 अगस्त को सुनवाई के लिए संवैधानिक बेंच के पास भेज दिया था।

महाराष्ट्र में अभी दो टूटेगी शिवसेना, शिंदे गुट में शामिल होने को तैयार उद्धव के 15 नेता

मुंबई। पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और सीएम एकनाथ शिंदे के बीच चल रही रस्साकशी अब और तेज होने जा रही है। दोनों नेताओं के बीच असली शिवसेना के दावे के बाद शिवाजी पार्क दशहरा रैली करने को लेकर खींचतान चल रही है। इस बीच शिंदे गुट ने उद्धव ठाकरे को और कमजोर करने की तैयारी कर ली है। महाराष्ट्र के सियासी हलकों में चर्चा है कि विजयादशमी के मौके पर उद्धव गुट के करीब 15 नेता एकनाथ शिंदे के समर्थन में आ सकते हैं। इन नेताओं में एक सांसद, दो विधायक और लगभग 5 पूर्व पार्षद शामिल हैं। इसके अलावा कुछ और नेता हैं, जो विभिन्न निगमों पर पदासीन हैं या किसी और पद पर हैं। इतना ही नहीं शिंदे गुट ने उद्धव ठाकरे गुट को विजयादशमी की रैली संबोधित करने से रोकने के लिए भी पूरी तैयारी कर ली है। कहा जा रहा है कि किसी को भी शिवाजी पार्क में रैली न करने देने पर भी विचार हो रहा है। इसके तहत शिवाजी पार्क को ही फ्रीज किया जा सकता है। यदि ऐसा होता है,तब फिर बालासाहेब ठाकरे के दौर से चली आ रही परंपरा टूट जाएगी। 1966 में शिवसेना की स्थापना हुई थी और तब से ही दशहरे की रैली उसका सबसे बड़ा आयोजन रहा है।

यूपी, दिल्ली समेत देश के कई राज्यों के 100 से अधिक ठिकानों पर आईटी अफसरों ने मारे छापे

राजनीतिक दलों के लिए चंदा उगाही में फर्जीवाडे को अंजाम देने वालों के खिलाफ आयकर विभाग ने शुरू की कार्रवाई

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में 100 से ज्यादा जगहों पर इनकम टैक्स अफसरों ने छापेमारी की है। इस कार्रवाई में अर्धसैनिक बलों की भी मदद ली गई। सूत्रों के मुताबिक इनकम टैक्स के अधिकारियों सुबह 6.30 बजे ही अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम देने के लिए पहुंच गए। छापेमारी की ये कार्रवाई राजनीतिक पार्टी के नाम पर चंदा उगाही से जुड़े मामले में किए जाने वाले फर्जीवाड़े से जुड़ी है।

चंदा उगाही में फर्जीवाड़े को अंजाम देने वालों के खिलाफ इनकम टैक्स विभाग ने कार्रवाई शुरू की है। उत्तर प्रदेश में करीब दो दर्जन स्थानों पर अयकर अफसरों ने छापेमारी की है। टैक्स चोरी के जरिए करोड़ों रूपए के फर्जीवाड़े का मामला है। आयकर विभाग जिन राज्यों में कार्रवाई को अंजाम दे रहा है, उनमें मुख्य तौर पर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और गुजरात शामिल हैं। इनकम टैक्स की यह कार्रवाई छोटी राजनीतिक पार्टियों से जुड़ी है, जिन्होंने लोगों से चंदा लिया और बाद में कैश लौटाया। विभाग की यह कार्रवाई चुनाव आयोग की रिपोर्ट पर आधारित है। इसके साथ आयकर विभाग के निशाने पर वे कॉरपोरेट्स भी हैं, जिन्होंने एंट्री ऑपरेटर्स के जरिए राजनीतिक पार्टियों को चंदा दिया है। जानकारी के मुताबिक राजस्थान में 53 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। यहां मिड डे मील कारोबारियों के यहां भी आयकर विभाग ने छापा मारा है। दिल्ली और दिल्ली के बाहर कार्रवाई के लिए अर्ध सैनिक बलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक छापेमारी छोटी-छोटी राजनीतिक पार्टियों के घर और दफ्तर पर चल रही है। आईटी टीम जांच कर रही है कि इन छोटी-छोटी राजनीतिक पार्टियों के पीछे कोई बड़ी राजनीतिक पार्टी का पैसा या कोई लेन-देन है या नहीं? साथ ही इन छोटी पार्टियों को डोनेशन कहां से और कितना आता है, उसकी भी जांच चल रही है। राजस्थान में कोटपूतली में मंत्री राजेन्द्र यादव के रिश्तेदारों के कारखाने और घरों पर छापेमारी की जा रही है। अकेले कोटपुतली में कुल 37 ठिकानों पर इनकम टैक्स की छापेमारी चल रही है। आयकर विभाग कर्मचारियों के साथ सीआरपीएफ के 100 से ज्यादा जवान मौजूद हैं।

पीएम मोदी ने शेख हसीना से मुलाकात कर कहा- ऊंचाई छुएंगे भारत-बांग्लादेश के रिश्ते

नई दिल्ली। पड़ोसी देश बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना चार दिवसीय भारत दौरे पर है। उन्होंने दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान भारत ने शेख हसीना का जोरदार स्वागत किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की ÷पड़ोसी पहले÷ नीति के तहत बांग्लादेश एक प्रमुख भागीदार रहा है। हम आपसी सहयोग से दोनों देशों के लोगों की आजीविका में निरंतर सुधार कर रहे हैं। हमने आईटी, अंतरिक्ष और न्यूक्लियर एनर्जी समेत तमाम सेक्टरों की तरफ कदम बढ़ाए हैं। अगले 25 वर्षों में भारत-बांग्लादेश संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। पीएम मोदी और शेख हसीना की आतंकवाद, कट्टरवाद और जलवायु परिवर्तन समेत समेत वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। पीएम ने कहा कि यह जरूरी है कि हम एक साथ उन ताकतों का सामना करें जो हमारे खिलाफ हैं। इससे पहले सोमवार को दिल्ली पहुंचीं शेख हसीना का कपड़ा और रेल राज्य मंत्री दर्शन जरदोश ने स्वागत किया। उन्होंने द्विपक्षीय हित के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की और दिल्ली में एक प्रमुख तीर्थस्थल पर्यटक आकर्षण निजामुद्दीन औलिया दरगाह का दौरा किया। पीएम मोदी पिछले साल बांग्लादेश की आजादी के 50वें वर्ष के मौके पर बांग्लादेश पहुंचे थे। उसके बाद शेख हसीना की यह पहली भारत यात्रा है। पीएम मोदी ने कहा अगले 25 वर्षों में भारत-बांग्लादेश संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे। इस दौरान शेख हसीना ने कहा, ÷अगले 25 वर्षों के लिए मैं अमृत काल की नई सुबह के लिए शुभकामनाएं देती हूं क्योंकि, आत्मनिर्भर भारत के साथ बांग्लादेश विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों को प्राप्त कर आगे बढ़ रहा है।

केंद्र सरकार का ध्यान, रोजगार सृजन और धन के सामान वितरण पर : वित्त मंत्री

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मुद्रास्फीति कम होकर वहनीय स्तर पर पहुंच गई है, इसकारण मोदी सरकार के लिए देश की आर्थिक वृद्धि ही प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन और धन का समान वितरण वे अन्य क्षेत्र हैं, जिन पर सरकार का ध्यान है। उन्होंने कहा, कुछ निश्चित तौर पर प्राथमिकताएं हैं, कुछ उतनी महत्वपूर्ण नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्राथमिकताओं में शामिल हैं रोजगार, धन का समान वितरण और यह सुनिश्चित करना कि भारत वृद्धि के रास्ते पर बढ़े। वित्त मंत्री ने कहा, इस लिहाज से मुद्रास्फीति प्राथमिकता नहीं है। आपको इसकी हैरानी नहीं होनी चाहिए। बीते कुछ महीनों में हम इस वहनीय (नियंत्रण योग्य स्थिति) स्तर पर लाने में कामयाब रहे हैं। वित्त मंत्री ने भरोसा जताया कि अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व और यूरोपीयन सेंट्रल बैंक द्वारा दरों में तेज वृद्धि से उत्पन्न अस्थिरता से रिजर्व बैंक निपट लेगा।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में कन्हैया कुमार के शामिल होने पर उठे सवाल

सीएम सरमा ने पूछा भारत खंडित कहा हुआ, जो राहुल जोड़ने निकले

कन्याकुमारी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार से अपनी %भारत जोड़ो% यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं, लेकिन भाजपा ने पूछा है, कि भारत पहले ही जुड़ा हुआ है, तब राहुल क्या जोड़ने निकले हैं। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल उठ रहा हैं, कि उनकी इस यात्रा में कन्हैया कुमार को क्यों शामिल किया गया है? गौरतलब है कि जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार के कार्यकाल में ही जेएनयू में भारत तेरे टुकड़े होंगे जैसे देशविरोधी नारेबाजी हुई थी और कन्हैया को देशद्रोह मामले में जेल भी हुई थी। बहरहाल, भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने से पहले राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री और अपने पिता स्वर्गीय राजीव गांधी के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रार्थना सभा में शामिल हुए। बता दें कि राहुल गांधी शाम को कन्याकुमारी के समुद्री तट के निकट जनसभा को संबोधित करके इस यात्रा की औपचारिक शुरुआत करने वाले हैं, हालांकि राहुल गांधी और 118 अन्य 'भारत यात्री' आठ सितंबर की सुबह विधिवत पदयात्रा आरंभ करने वाले हैं।

कार में अब सभी लोगों को लगानी होगी सीट बेल्ट, वरना लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली। अब कार में आगे-पीछे बैठने वाले सभी लोगों को सीट बेल्ट लगाना जरूरी हो गया है। बढ़ते सड़क हादसों को देखते हुए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि कार में सवार सभी लोगों को सीट बेल्ट लगाना जरूरी होगा। गडकरी ने एक कार्यक्रम में साइरस मित्री की कार दुर्घटना में हुई मौत का भी जिक्र किया। गडकरी ने सीट बेल्ट नहीं लगाने पर भारी जुर्माने की बात कही है।

सरकार अगले तीन दिनों में इसका आदेश जारी करेगी। ड्राइविंग सीट पर बैठा शख्स तो पहले भी सीट बेल्ट लगाता था, लेकिन अब पीछे बैठे शख्स को भी उस नियम का पालन करना होगा। ऐसे में ज्यादा सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है जिससे ऐसी सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। बताया जाता है कि अब से कार में पीछे की सीट पर बेल्ट लगाने के लिए क्लिप की व्यवस्था होगी। अगर पीछे बैठा कोई शख्स सीट बेल्ट नहीं लगाता है, तो अलार्म बजता रहेगा। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की सड़क हादसे में मौत से सबक लेते हुए सरकार ने ये फैसला लिया है। साइरस मिस्त्री की रविवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। यह हादसा महाराष्ट्र के पालघर जिले में नेशनल हाइवे पर हुआ था। इसके बाद ही सरकार ने पिछली सीट पर बैठे लोगों के लिए सीट बेल्ट अलर्ट की व्यवस्था शुरू करने का फैसला लिया। बता दें कि केंद्रीय मोटर वाहन नियम (सीएमवीआर) के नियम 138 (3) के तहत पिछली सीट पर सीट बेल्ट नहीं लगाने पर 1,000 रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है। हालांकि, ज्यादातर लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि यह नियम अनिवार्य है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी पिछली सीट पर बैठे यात्रियों के सीट बेल्ट नहीं लगाने पर जुर्माना नहीं लगाते हैं। ड्राइवर और अगली सीट पर बैठे यात्री के लिए सीट बेल्ट लगाना 1993 में ही अनिवार्य कर दिया गया था। सरकार ने अक्टूबर 2002 को पिछली सीट पर बैठे यात्रियों के लिए भी सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य कर दिया था, लेकिन इसका सही से पालन नहीं होता है। सन 2019 में सरकार ने सीट बेल्ट नहीं लगाने पर जुर्माना बढ़ाकर 1000 रुपए कर दिया था लेकिन इससे भी स्थिति नहीं सुधरी। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सड़क हादसों में सबसे ज्यादा लोग भारत में मारे जाते हैं।

केजरीवाल ने प्रधानमंत्री के ऐलान को अच्छा बताते हुए लिखा पत्र?

पत्र में केजरीवाल ने मोदी से देश के सभी स्कूलों को अपग्रेड करने की मांग की

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने मोदी की ओर से 14500 स्कूलों को मॉडल स्कूल के तौर पर विकसित किए जाने के ऐलान को अच्छा बताते हुए देश के सभी स्कूलों को अपग्रेड करने की मांग की है। केजरीवाल ने ट्विटर पर इस खत को साझा करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री जी को मेरा पत्र। उन्होंने 14,500 स्कूलों को अपग्रेड करने का ऐलान किया, बहुत अच्छा। लेकिन देश में 10 लाख सरकारी स्कूल हैं। इस तरह तो सारे स्कूल ठीक करने में सौ साल से ज्यादा लग जाएंगे। आपसे अनुरोध है कि सभी दस लाख स्कूलों को एक साथ ठीक करने का प्लान बनाया जाए। एक दिन पहले भी पीएम मोदी के फैसले की तारीफ कर चुके अरविंद केजरीवाल ने पत्र मे लिखा, मुझे मीडिया से पता चला है कि केंद्र सरकार ने देशभर में 14500 स्कूलों को अपग्रेड करने की योजना बनाई है। यह बहुत अच्छी बात है। पूरे देश में सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब है। उनको अपग्रेड और आधुनिक बनाने की बहुत जरूरत है। केजरीवाल ने आगे लिखा, देशभर में रोज 27 करोड़ बच्चे स्कूल जाते हैं। इनमें लगभग 18 करोड़ बच्चे सरकारी स्कूलों में जाते हैं। 80 फीसदी से ज्यादा सरकारी स्कूलों की हालत किसी कबाड़खाने से भी ज्यादा खराब है। अगर करोड़ों बच्चों को हम ऐसी शिक्षा दे रहे हैं तो सोचिए भारत कैसे विकसित देश बनेगा? आजादी के बाद 75 सालों में शिक्षा पर सही ध्यान नहीं दिए जाने की बात कहते हुए केजरीवाल ने लिखा ?कि 1947 में हमसे बहुत बड़ी गलती हुई। देश आजाद होते ही सबसे पहले हमें भारत के हर गांव और हर मोहल्ले में शानदार सरकारी स्कूल खोलने चाहिए थे। कोई भी मुल्क अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिए बिना तरक्की नहीं कर सकता।

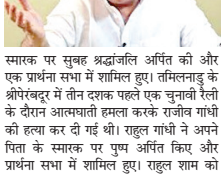

भारतीय राजनीति में टर्निंग प्लाइंट साबित होगी 'भारत जोड़ो' यात्रा : जयराम रमेश

कन्याकुमारी। कांग्रेस ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा आरंभ होने से पहले बुधवार को कहा कि यह यात्रा भारतीय राजनीति में एक टर्निंग प्वाइंट' है और एक नई शुरुआत का प्रतीक है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, सात सितंबर 2022 एक ऐसा दिन जब देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी अब तक की सबसे लंबी पदयात्रा शुरू करेगी। आज का दिन एक शांत चिंतन और नए सिरे से संकल्प का दिन है। उन्होंने कहा, भारतीय राजनीति में यह एक टर्निंग प्वाइंट है। एक नई शुरुआत का प्रतीक है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यात्रा शुरू करने से पहले श्रीपेरंबदूर में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के स्मारक पर सुबह श्रद्धांजलि अर्पित की और एक प्रार्थना सभा में शामिल हुए। तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में तीन दशक पहले एक चुनावी रैली के दौरान आत्मघाती हमला करके राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। राहुल गांधी ने अपने पिता के स्मारक पर पुष्प अर्पित किए और प्रार्थना सभा में शामिल हुए। राहुल शाम को यहां के समुद्री तट के निकट एक जनसभा को संबोधित करेंगे और इसके साथ इस यात्रा की औपचारिक शुरुआत होगी, हालांकि राहुल गांधी और 118 अन्य 'भारत यात्री' आठ सितंबर की सुबह विधिवत पदयात्रा आरंभ करेंगे। राहुल जनसभा से पहले यहां के 'गांधी मंडपम' में एक प्रार्थना सभा में शामिल होंगे। फिर वह एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे जहां तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन उन्हें राष्ट्र ध्वज सौंपेंगे। राहुल विवेकानंद रॉक मेमोरियल, तिरुवल्लुवर स्टैच्यू और कामराज मेमोरियल भी जाएंगे। पदयात्रा 11 सितंबर को केरल पहुंचेगी और अगले 18 दिनों तक राज्य से होते हुए 30 सितंबर को कर्नाटक पहुंचेगी।

सिलिकॉन सिटी में जारी रहेगा तेज बारिश का दौर, लोग सड़क पर और अपने घरों में फंसे गए

बेंगलुरु। पिछले तीन दिनों में भारी बारिश के बाद बेंगलुरु में फिर से बाढ़ आ गई है। मौसम विभाग ने 9 सितंबर तक सिलिकॉन सिटी और कर्नाटक के अन्य हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मूसलाधार बारिश से मुख्य सड़कें जलमग्न हो गईं, पॉश अपार्टमेंट परिसरों और घरों में पानी भर गया, बिजली की लाइनें टूट गईं और यातायात जाम हो गया। कई लोग सड़क पर और अपने घरों में फंसे गए है। जलमग्न क्षेत्रों से निवासियों को बचाने के लिए नावों और यहां तक ??कि ट्रैक्टरों को भी तैनात किया गया था।मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के मुताबिक, राजधानी के कुछ इलाकों में 1 से 5 सितंबर के बीच सामान्य से 150 फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। कई टेक कंपनियों ने कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा है, क्योंकि उपनगरों में प्रमुख टेक पार्क झीलों और तूफानी नालियों के अतिप्रवाह के कारण जलमग्न रहते हैं। बेंगलुरु 50 वर्षों में सबसे अधिक बारिश वाला स्थान है। मूसलाधार बारिश के कारण 162 झीलें पूरी क्षमता से भर गईं। दो अतिप्रवाहित झीलों -बेलंदूर और वरथुर-ने झील के आसपास के रिहायशी इलाकों में पानी भर दिया है। निवासियों को बाढ़ग्रस्त समाजों से बाहर निकालने के लिए ट्रैक्टर और नावों को तैनात किया गया था। बेंगलुरू के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भारी बारिश के कारण प्रभावित हुए उड़ानों का संचालन भी बहाल कर दिया गया है। कर्नाटक के मांड्या में भारी बारिश के बाद बंद हुए बेंगलुरु को पेयजल आपूर्ति आंशिक रूप से बहाल कर दी गई है। टीके हल्ली में एक पंपिंग स्टेशन चालू है और दूसरे को बहाल करने का काम चल रहा है। सीएम बोम्मई ने कहा कि अगले कुछ दिनों में आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। राज्य सरकार ने शहर में बाढ़ की स्थिति के प्रबंधन के लिए 300 करोड़ रुपये जारी करने का फैसला किया है। भारी वर्षा के दौरान पानी के अतिप्रवाह को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने बेंगलुरु में सभी झीलों के लिए स्लुइस गेट के निर्माण का भी प्रस्ताव रखा है। बेंगलुरु नागरिक निकाय के अनुसार, शहर के 800 वर्ग किमी क्षेत्र में केवल 56 वर्ग किमी तक ही बाढ़ सीमित है, और बाढ़ को रोकने के लिए जलमार्ग में बाधाओं को दूर करने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज़ ट्रैक....

टॉस हारते ही भारत के हाथ से निकल गया था मैच

दुबई । यहां एशिया कप क्रिकेट के दूसरे सुपर-फोर मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ हार के साथ ही भारतीय टीम एशिया कप से बाहर हो गयी है। इस मैच में हार के लिए खिलाड़ियों को दोषी माना जा रहा है पर वास्तविकता यह है कि भारतीय टीम इस मैच को तभी हार गयी थी। जब उसने टॉस गंवा दिया था। इस मैदान का इतिहास रहा है कि यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ही जीती है। भारतीय टीम के गत वर्ष टी20विश्व कप के बाद अब एशिया कप में भी हार का यही कारण माना जा रहा है। यहां लक्ष्य का पीछा करने पर जीत तय मानी जाती है। कोरोना संक्रमण के बाद से दुबई के मैदान पर 19 टी20 मुकाबले हुए हैं। इसमें 13 मुकाबले पिछले साल हुए टी20 विश्व कप के थे। इसमें 12 मैचों में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ही जीत मिली है। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल और फाइनल को 170 से अधिक रन बनाकर जीता था। इस बार एशिया कप में यहां 6 मुकाबले हुए हैं और 5 में पहले खेलने वाली टीम हारी है। इस प्रकार कुल 19 मैचों में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम 17 बार जीती है। दुबई में केवल दो बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड और एशिया कप में भारत ने हांगकांग को हराया था। न्यूजीलैंड भी वह मुकाबला बड़ी मुश्किल से जीता था।

इस बार एशिया कप जीत के ही आयें : शाहीन

लाहौर । एशिया कप से बाहर चल रहे पाकिस्तान के मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने हारिस रऊफ सहित पूरी टीम से कहा है कि इस बार एशिया कप हाथ से नहीं निकलना चाहिये। इन दोनो का ही एक वीडियो आया है। इस वीडियो में शाहीन हारिस रउफ और नसीम शाह से बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान शाहीन ने इन दोनों गेंदबाजों की जमकर तारीफ भी की है। शाहीन ने रऊफ से कहा कि वह आखिरी के ओवरों में ज्यादा से ज्यादा यॉर्कर फेंके। साथ ही कहा कि इस बार जीत मिलनी ही चाहिये। शाहीन की इस बात का रऊफ और शाह दोनों ने एक साथ समर्थन किया है। इसके साथ ही शाहीन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वह वापसी करना चाहते हैं। इसके लिए वो अपनी फिटनेस पर जमकर अभ्यास भी कर रहे।

पूर्व क्रिकेटरों ने ऋषभ को रिवर्स स्वीप से बचने की सलाह दी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अधिकतर समय खराब शॉट चयन के कारण अपना विकेट गंवा देते हैं। इसके कारण वह आलोचनाओं का भी शिकार हुए हैं। वहीं भारतीय टीम को भी नुकसान उठाना पड़ता है। पाक के खिलाफ सुपर-फोर के मैच में भी यही हुआ। इसमें ऋषभ ने गलत रिवर्स स्वीप शॉट खेलकर अपना विकेट खो दिया। अब उन्हें पूर्व क्रिकेटरों रवि शास्त्री, वसीम अकरम और गौतम गंभीर ने सलाह दी है कि इस प्रकार का शॉट खेलने से बचें। गंभीर ने कहा, ऋषभ निराश होगा क्योंकि यह उसका शॉट नहीं है। उसका शॉट संभवत- लांग आन या डीप मिडविकेट के ऊपर से खेलना है, अगर आप यह शॉट खेलते हुए आउट होते हो तो कोई समस्या नहीं है क्योंकि यह आपका मजबूत पक्ष है। आपका मजबूत पक्ष गेंद को रिवर्स स्वीप करना नहीं है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज अकरम का मानना है कि ऋषभ बीच के ओवरों में रिवर्स हिट खेलने से बच सकते थे।

योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने आयोजित की जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता

मुरैना। योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के द्वारा जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस एसोसिएशन के सचिव एवं योग गुरु जय किशन ने हमें बताया कि इस एसोसिएशन में 9 से 14 वर्ष की बालिकाएं, 14 से 18 वर्ष की बालिकाएं, 18 से अधिक वर्ष की बालिकाएं व इसी तरह से 9 से 14 वर्ष के बालक, 14 से 18 वर्ष के बालक एवं 18 वर्ष से अधिक के बालक बालिकाओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रुप में मुरैना शहर के सीएसपी अतुल सिंह उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया दीप प्रज्वलित करके एवं प्रतियोगिता के समापन पर मुरैना नगर निगम के कमिशनर संजीव जैन ने प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचकर सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया एवं सभी बच्चों को जिन्होंने प्रतियोगिता में उच्च स्तर प्राप्त करके विजय हासिल की उनको मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान किए।

प्रतियोगिता में अतिथि के रूप में रवि गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, पंकज बंसल, गिरिराज पचौरी एवं श्रीमती मधु दंडोतिया उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में बच्चों के निरीक्षण के लिए निर्णायक की जो टीम बनाई गई थी उसमें श्रीमती रागिनी बंसल, प्रियंका वर्मा, नायला रूबी, निधि मंगल, संगीता बंसल, आरती शर्मा, संजीव शर्मा, निधि गुप्ता एवं प्रेरणा सविता उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी निर्णायक भूमिका निभा कर सभी बच्चों को अंक दिए। इसी श्रेणी में विजेता खिलाड़ियों की सूची में 9 से 14 वर्ष की बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कु मान्या अग्रवाल, द्वितीय स्थान पर कु रागिनी यादव, तृतीय स्थान पर कु रागिनी गोले रही। 9 से 14 वर्ष के बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर राम गोयल, द्वितीय स्थान पर लक्ष्य बंसल एवं तृतीय स्थान पर अंशु परमार रहे। इसी क्रम में 14 से 18 वर्ष में बालिका वर्ग में प्रथम स्थान अंकिता प्रजापति, द्वितीय स्थान करिश्मा जोनवार एवं तृतीय स्थान पर नेहा यादव रही। इसी प्रकार बालक वर्ग 14 से 18 वर्ष में प्रथम स्थान पर प्रशांत सिकरवार, द्वितीय स्थान निर्भय प्रजापति एवं तृतीय स्थान सूरज परमार ने प्राप्त किया। 18 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं में प्रथम स्थान प्रेरणा सविता, द्वितीय स्थान शीतल शर्मा एवं तृतीय स्थान पलक गोयल ने हांसिल किया और 18 वर्ष से अधिक आयु बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर हर्ष राजपूत एवं द्वितीय स्थान पर विकास शर्मा रहे। इसके अलावा वहां जितने भी बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लिया था, सभी को मुरैना योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के द्वारा सर्टिफिकेट का वितरण कराया गया एवं नगर निगम कमिशनर संजीव जैन ने वहां उपस्थित रहकर सभी बच्चों का प्रोत्साहन बढ़ाया। मुरैना योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रवि गोयल, प्रकाश अग्रवाल, कृष्णा सोनी, निधि गुप्ता, तहसीलदार बैसला, डॉ जयकिशन शर्मा, रागनी बंसल, आशाराम प्रजापति, संजीव शर्मा, कु शीतल शर्मा, धर्मेंद्र मंगल, योगेश बांदिल एवं गौरव अग्रवाल का सराहनीय योगदान रहा। सुबह 10 बजे से यह कार्यक्रम प्रारंभ हुआ और शाम को शाम 7 बजे इसका समापन हुआ। आयोजकों ने बताया कि जिन बच्चों ने प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया है उन्हें अपनी-अपनी आयु वर्ग की श्रेणी में इसी सितंबर महीने में प्रदेश स्तरीय योग प्रतियोगिता भोपाल में भाग लेने का मौका प्राप्त होगा।

दिलीप ट्रॉफी के लिए कल से छह टीमों के बीच होगा घमासान

मुम्बई । गुरुवार से शुरु हो रहे दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के साथ ही घरेलू क्रिकेट सत्र भी शुरु होगा। यह टूर्नामेंट कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल से नहीं खेला गया था। अंतिम बार ये टूर्नामेंट साल 2019 में खेला गया था। उसके बाद से ही खिलाड़ी इसका इंतजार कर रहे थे।

इस बार दलीप ट्रॉफी 8 सितंबर शुरु होगी और इसका खिताबी मुकाबला। 21 सितंबर को खेला जाएगा। इस बार दलीप ट्रॉफी में कुछ बदलाव भी नजर आयेंगे। साल 2016 से 2020 के बीच दलीप ट्रॉफी में तीन टीमें भाग लेती थीं। यह इंडिया रेड, इंडिया ब्लू और इंडिया ग्रीन टीमें थीं। इस बार दलीप ट्रॉफी में तीन टीमों की बजाए कुल 6 टीमें भाग लेंगी। इन टीमों को जोन के आधार पर बांटा गया है। इस नॉर्थ ईस्ट जोन भी दलीप ट्रॉफी में शामिल किया गया है। इसके अलावा नॉर्थ जोन, साउथ जोन, ईस्ट जोन, वेस्ट जोन,और सेंट्रल जोन की टीमें एक दूसरे के खिलाफ खेलेंगी। 17 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 5 मैच खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट के सारे मैच नॉकआउट मैच होंगे। फाइनल के अलावा सभी मैच चार दिन के होंगे। वहीं फाइनल टेस्ट 5 दिन का होगा।

टूर्नामेंट में शामिल होने वाली टीमें हैं

वेस्ट जोन: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), पृथ्वी शॉ, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, हार्दिक तामोर (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, शार्दुल ठाकुर, राहुल त्रिपाठी, सत्यजीत बच्चाव, हेत पटेल, चिंतन गाजा, जयदेव उनादकट, चिराग जानी, अतित सेठ.

सेंट्रल जोन: करण शर्मा (कप्तान), शुभम शर्मा (उप कप्तान), हिमांशु मंत्री (विकेटकीपर), यश दुबे, प्रियम गर्ग, रिंकू सिंह, अशोक मनेरिया, अक्षय वाडकर (विकेटकीपर), गौरव यादव, वेंकटेश अय्यर, दीपक धोपोला, अनिकेत चौधरी, कुमार कार्तिकेय, आदित्य सर्वते और अंकित राजपूत.

नॉर्थ जोन : मंदीप सिंह (कप्तान), यश धुल, ध्रुव शौरे, मनन वोहरा, हिमांशु राणा, आकाश वशिष्ठ, अनमोल मल्होत्रा, मयंक डागर, पुलकित नारंग, नवदीप सैनी, सिद्धार्थ कौल, जगजीत सिंह, निशांत सिंधु, कमरान इकबाल, विकास मिश्रा

साउथ जोन: हनुमा विहारी (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रोहन कुन्नुम्मल,द्व मनीष पांडे, देवदत्त पड्डिकल, बी इंद्रजीत, एकनाथ केरकर, रिकी भुई, साई किशोर, के गॉथम, बेसिल थंपी, रवि तेजा, वीसी स्टीफन, तन्य त्यागराजन, लक्ष्य गर्ग

ईस्ट जोन: मनोज तिवारी (कप्तान), विराट सिंह, नजीम सिद्दिकी, सुदीप कुमार, शांतनु मिश्रा, अनुस्तूप मजूमदार, रियान पराग, कुमार कुशाग्र, अभिषेक पोरल, शाबाज अहमद, शाहबाज नदीम, इशान पोरल, आकाश दीप, मुख्तार हुसैन, मणीशंकर, मूरा सिंह

नॉर्थ ईस्ट जोन: आशीष थापा (कप्तान), तेचि नेरी, जोनाथन, किशन, अंकुर मलिक, बिशवर्जीत, लालबीक्केला, आर के रेक्स, केन्स, तेचि डोरिया, दिप्पू संगमा, होकाइतो, किशन शिंगा, बॉबी, मो. अल बशिद।

भारतीय बैडमिंटन संघ ने पदक विजेताओं के लिए घोषित किए पुरस्कार

लक्ष्य और सिंधु को 20-20 लाख रुपये मिलेंगे

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने राष्ट्रमण्डल खेलों के साथ ही विश्व चैंपियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ियों के लिए अपना खजाना खोल दिया है। बीएआई ने विजेता खिलाड़ियों का सम्मान करने के लिए 1.5 करोड़ रुपये के पुरस्कारों की घोषणा की है। महासंघ के अध्यक्ष हिमंता विश्व सरमा ने पुरस्कार राशि की घोषणा करते हुए कहा, ''हमारे बैडमिंटन खिलाड़ियों ने लगातार देश का गौरव बढ़ाया है और यह नकद पुरस्कार पिछले दो वर्षों में उनकी शानदार उपलब्धियों को सम्मान देने का छोटा सा प्रयास भर है।'' राष्ट्रमण्डल खेलों के पुरुष और महिला एकल में स्वर्ण विजेता लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु को 20-20 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी को स्वर्ण जीतने के लिए 25 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। लक्ष्य को विश्व चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीतने के लिए भी पांच लाख रुपए दिये जाएंगे। वहीं गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की युवा महिला युगल जोड़ी को कांस्य पदक जीतने पर 7.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत को भी बर्मिंघम में अपने पुरुष एकल कांस्य पदक के लिए पांच लाख रुपये जबकि स्पेन के ह्यूएलवा में 2021 बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक के लिए 10 लाख रुपये मिलेंगे जबकि चिराग और सात्विक को पिछले महीने टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के लिए 7.5 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। वहीं राष्ट्रमण्डल खेलों में रजत पदक विजेता 10 सदस्यीय मिश्रित टीम को कुल 30 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। इस प्रकार हर खिलाड़ी को तीन लाख रुपये मिलेंगे जबकि सहयोगी स्टाफ के आठ सदस्यों में से प्रत्येक को 1.5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

इंग्लैंड और लक्सिमबर्ग में फीफा महिला विश्वकप क्वालीफायर मुकाबलों में खेलती हुई खिलाड़ी।

व्यापार न्यूज

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार बढ़ाकर 2,000 अरब डॉलर पहुंचाना चाहता है- गोयल

सैन फ्रांसिस्को । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में भारत का माल एवं सेवा का निर्यात 675 अरब डॉलर को पार कर गया और अब देश 2030 तक अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाकर 2000 अरब डॉलर तक पहुंचाना चाहता है। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों से बातचीत करते हुए गोयल ने कहा कि जब भारत अपनी 100वीं वर्षगांठ मनाएगा तब तक उसकी अर्थव्यवस्था 30,000 अरब डॉलर की हो जाएगी। 2047-2050 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे कर रहा होगा तब सामान्य परिदृश्य में भारत कम से कम 30,000 अरब की अर्थव्यवस्था होगा और सरकार की योजनाएं काम कर गईं तो अर्थव्यवस्था कम से कम 35,000 से 45,000 अरब डॉलर की होगी। अपनी 3300 अरब की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के साथ भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस सूची में उससे पहले अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी हैं। उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकार ने बीते कुछ वर्ष ऐसा आधार बनाने में लगाए जिन पर देश तेजी से परिवर्तित हो सके, इसकी अर्थव्यवस्था बढ़ सके, प्रणालियां बेहतर बनें और प्रौद्योगिकी में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में हमारा माल एवं सेवाओं का निर्यात पहली बार 675 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हमें उम्मीद है कि 2030 तक अंतरराष्ट्रीय व्यापार बढ़कर 2000 अरब डॉलर का हो जाएगा।

मर्स्क ने महाराष्ट्र में नया भंडारगृह खोला

मुंबई । वैश्विक एकीकृत लॉजिस्टिक कंपनी मर्स्क ने भिवंडी महाराष्ट्र में अपनी दूसरी भंडारगृह (वेयरहाउसिंग) सुविधा शुरू की है। कंपनी ने कहा कि 2,50,000 वर्ग फुट में फैली नई भंडारण इकाई अन्य ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ जेके टायर के लिए एक केन्द्र (हब) के रूप में काम करेगी। यह मर्स्क इंडिया का पांचवां गोदाम होगा। इसके साथ कंपनी के पास अब कुल 21 लाख वर्गफुट से अधिक भंडारगृह हो गए हैं। इसमें एलएफ लॉजिस्टिक्स के अधिग्रहण से प्राप्त सात भंडारगृह शामिल हैं। भिवंडी के अलावा, कंपनी की कोलकाता, पुणे और सिकंदराबाद (यूपी) में भी ऐसी सुविधाएं हैं। पिछले हफ्ते मर्स्क ने हांगकांग स्थित अनुबंध लॉजिस्टिक कंपनी एलएफ लॉजिस्टिक्स का अधिग्रहण पूरा किया। कंपनी ने कहा कि एलएफ लॉजिस्टिक्स के भारत में सात गोदाम हैं, जिन्हें मर्स्क के नेटवर्क में जोड़ा गया है।

गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार : सेंसेक्स 470 अंक टूटा, निफ्टी 17,484.30 पर

मुंबई । वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोर रूख और रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयरों में गिरावट की वजह से बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई। बीएसई सेंसेक्स की शुरुआत कमजोर रही और 30 शेयरों पर आधारित यह सूचकांक शुरुआती कारोबार में 474.1 अंक गिरकर 58,722.89 पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 171.3 अंक गिरकर 17,484.30 पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। पॉवर ग्रिड, एशियन पेंट्स, नेस्ले और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में तेजी रही। अन्य एशियाई बाजारों में सियोल, शंघाई, तोक्यो और हांगकांग के बाजार नुकसान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। पिछले कारोबारी सत्र में मंगलवार को तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 48.99 अंक की गिरावट के साथ 59,196.99 अंक पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 10.20 अंक फिसलकर 17,655.60 अंक पर बंद हुआ था। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.28 फीसदी कम होकर 91.61 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,144.53 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

अमेरिका और यूरोपीय बाजार में गिरावट रही

मुंबई । अमेरिकी शेयर बाजार पर पिछले सप्ताह से ही लगातार दबाव जारी है और फेड रिजर्व की ओर से ब्याज दरें बढ़ाने की बात कहने के बाद से निवेशक मुनाफावसूली कर रहे हैं। पिछले कारोबारी सत्र में भी अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजारों में गिरावट दिख रही। डाओ जोंस 0.55 फीसदी लुढ़क चुका है तो एसएंडपी 500 में पिछले सत्र के दौरान 0.41 फीसदी की गिरावट रही थी। इसी तरह नेस्डेक कम्पोजिट पर भी 0.74 फीसदी का नुकसान हुआ है। अमेरिका के उलट यूरोपीय शेयर बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में बढ़त दिखी है और यूरोप के ज्यादातर शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुए। प्रमुख यूरोपीय बाजारों में शामिल जर्मनी के स्टॉक एक्सचेंज पर पिछले सत्र में 0.87 फीसदी की बढ़त दिखी जबकि फ्रांस का शेयर बाजार 0.19 फीसदी के उछाल पर बंद हुआ। लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर भी पिछले सत्र में 0.18 फीसदी की बढ़त दिखी है।

सोना 256 रुपए सस्ता, चांदी भी कमजोर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में आई तेज गिरावट के कारण पिछले दो दिनों से सोने और चांदी के भावों में जारी तेजी का सिलसिला बुधवार थम गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव 1.22 फीसदी लुक गया है। इसका असर भारतीय बाजार पर भी हुआ है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज कारोबार की शुरूआत में सोने का भाव 0.51 फीसदी लुक गया है. चांदी में भी शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी जा रही है और आज चांदी का भाव 0.74 फीसदी गिरा है। एमसीएक्स पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 256 रुपए गिरकर 50025 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोने में कारोबार 50,207 रुपए से शुरू हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही मांग में कमी आने के बाद 50,007 रुपए हो गया, बाद में इसमें थोा सुधार हुआ और भाव 50025 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के भाव ने भी गोता लगाया है। चांदी की कीमत मंगलवार को 392 रुपए गिर गई और भाव प्रति किलो 52,754 रुपए हो गया है। चांदी में आज कारोबार 52,872 रुपए से शुरू हुआ था। कुछ देर बाद भाव में गिरावट आई और भाव 52,637 रुपए हो गया। फिर इसमें थोा सुधार हुआ और भाव 52,754 रुपए हो गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को सोने और चांदी के भावों में गिरावट आई है सोने का भाव 1.22 फीसदी लुककर 1693.05 डॉलर प्रति औंस हो गया है। इसी तरह चांदी का हाजिर भाव भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरा है। चांदी 1.94 फीसदी की भारी गिरावट के साथ 17.86 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

रुपया डॉलर के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 79.93 पर

मुंबई । विदेशों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के चलते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 79.93 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 79.93 पर खुला जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की कमजोरी को दर्शाता है। शुरुआती सौदों में यह 79.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया था। पिछले कारोबारी सत्र में मंगलवार को रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ 79.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.37 प्रतिशत बढ़कर 110.62 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.33 प्रतिशत गिरकर 91.60 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

एयर इंडिया को गति देने और इसके महंगे कर्ज को चुकाने 4 अरब डॉलर जुटाएगी टाटा संस

मुंबई । एयर इंडिया को गति देने और इसके महंगे कर्ज को चुकाने के लिए टाटा संस ने 4 अरब डॉलर जुटाने की योजना बनाई है। टाटा संस इक्विटी और हाइब्रिड डेट के जरिए फंड जुटाएगी। कंपनी ने एयर इंडिया के अधिग्रहण के लिए महंगा कर्ज लिया था। वह कर्ज को चुकाना चाहती और साथ ही वह एयर इंडिया को मजबूत बनाने के लिए नई पूंजी डालना चाहती है। रिपोर्ट के अनुसार, मामले से जुड़े 2 लोगों के हवाले से यह खबर दी है। टाटा संस ने पिछले साल अक्टूबर में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। टाटा संस ने 2.3 अरब डॉलर की एंटरप्राइज वैल्यू पर यह समझौता किया था। मामले से जु सूत्रों का कहना है कि कंपनी के लिए डेट से पूंजी जुटाना तब आसान होगा, लेकिन इक्विटी कंपोनेंट में समय लग सकता है, क्योंकि एयरलाइंस बिजनेस में निवेश करने वाले इक्विटी फंडों की संख्या कम है।

सूत्र ने बताया कि टाटा ग्रुप इनवेस्टमेंट एडवाइजर्स की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू करेगा। हालांकि, कुछ विदेशी ऋणदाताओं और कुछ प्राइवेट इक्विटी फंडों के साथ अनौपचारिक बातचीत कंपनी ने शुरू भी कर दी है। वहीं, दूसरे सूत्र ने बताया कि डेट रिफाइनेंसिंग पोर्शन अपेक्षाकृत आसान होगा, क्योंकि टाटा के मौजूदा बैंकिंग रिलेशनशिप के तहत आने वाले ऋणदाता इसमें शामिल होगा। सूत्र का कहना है कि इस ट्रांजेक्शन के इक्विटी कंपोनेंट में थोड़ा समय लग सकता है, क्योंकि दुनियाभर में एयरलाइंस बिजनेस में निवेश करने वाले प्राइवेट इक्विटी फंडों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। एयर इंडिया के लिए पूंजी जुटाने की योजना के संबंध में टाटा संस के प्रवक्ता ने नहीं दिया। पिछले महीने एक दूसरी रिपोर्ट में कहा गया था कि एयरएशिया इंडिया एयरलाइंस के कुल लॉस के लिए 2,600 करोड़ रुपये का प्रोविजन कर सकती है। इस साल जून में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने एयरएशिया इंडिया के इक्विटी शेयर के अधिग्रहण के एयर इंडिया के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

गौतम अदाणी ने जेफ बेजोस को पछाड़ा, संपत्ति 148.8 अरब डॉलर हुई

नई दिल्ली । फोर्ब्स की अरबपतियों की सूची के अनुसार भारत के दिग्गज उद्योगपति गौतम अदाणी ने अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को पछाड़ दिया है। बीते दिनों सूची में एक पायदान नीचे खिसकने वाले अदाणी ने एक बार फिर लंबी छलांग लगाई है। इस बार जेफ बेजोस को पछाड़ते हुए वे एक बार फिर दुनिया के तीसरे सबसे अमीर इंसान बन गए हैं। फोर्ब्स के रियल टाइम बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार गौतम अदाणी की कंपनियों के शेयरों की कीमतों में बढ़ोतरी से उनका नेटवर्थ तेजी से बढ़ा है। बुधवार को उनकी कुल नेटवर्थ 148.8 अरब डॉलर हो गई है। जेफ बेजोस की संपत्ति कम होकर 136.7 अरब डॉलर हो गई है। संपत्ति में कमी होने से अब वे दुनिया के सबसे अमीर अरबपतियों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। बता दें कि कई दिनों से इस बात की चर्चा चल रही थी कि गौतम अदाणी जल्द ही जेफ बेजोस को संपत्ति के मामले में पीछे छोड़ सकते हैं। गौतम अदाणी अब संपत्ति के मामले में जेफ बेजोस से 12.1 अरब डॉलर आगे निकल गए हैं। अब दुनिया में गौतम अदाणी से अमीर केवल टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के सीईओ एलन मस्क और फ्रांस के अरबपति बर्नाड अर्नाल्ट ही रह गए हैं।

महिंद्रा की नई इलेक्ट्रिक कार से जल्द उठेगा पर्दा

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी नई इलेक्ट्रिक कार से 8 सितंबर को पर्दा उठाएगी। कंपनी के प्रमुख आनंद महिंद्रा ने अपकमिंग महिंद्रा एक्सयूवी 400 इलेक्ट्रिक एसयूवी का खुलासा करते हुए एक ट्विट किया है।15-सेकंड के वीडियो में इलेक्ट्रिक कार की झलक दिखाई दी है।यह उम्मीद की जाती है कि एक्सयूवी400 लगभग 4.2 मीटर लंबी होगी।इसमें इंटीग्रेटेड डीआरएल के साथ नई हेडलाइट्स, नई फ्रंट ग्रिल मिलेगी, टेल लैंप्स के लिए एक नया डिजाइन और एक रिप्रोफाइल्ड टेलगेट देखने को मिलेगा। वीडियो की शुरुआत महिंद्रा एक्सयूवी 400 को इलेक्ट्रिक चार्जर से प्लग करने के साथ होती है और फिर यह जल्दी से डीआरएल चालू होने के साथ-साथ प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स को प्रकट करने के लिए शिफ्ट हो जाता है। वीडियो से पता चलता है कि नई एक्सयूवी400 के फ्रंट में महिंद्रा का नया ट्विन पीक्स लोगो है।महिंद्रा ने एक्सयूवी400 के पावरट्रेन के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन उम्मीद है कि कंपनी इसे सिंगल फ्रंट-व्हील-ड्राइव इलेक्ट्रिक मोटर से लैस करेगी, जो लगभग 150एचपी का उत्पादन करेगी।इसे दो बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किए जाने की संभावना है।इलेक्ट्रिक एसयूवी में कुछ अदास फीचर भी मिल सकते हैं। एक बार चार्ज करने पर इसकी रेंज 300 किलोमीटर से ज्यादा हो सकती है। महिंद्रा एक्सयूवी400 भारतीय बाजार में नेक्सान ईवी मेक्स और एमजी झेडएस ईवी को टक्कर देगी।आने वाली इलेक्ट्रिक कार काफी हद तक 2020 ऑटो एक्सपो में दिखाई गई ईएक्सयूवी300 कॉन्सेप्ट की तरह है।ग्लासहाउस और कैरेक्टर लाइन इसके आईसीई-वेरिएंट एक्सूयवी 300 से लिया गया है।रियर एंड में नए रैपराउंड टेल-लैंप हैं, जबकि टेल गेट स्टाइल भी एक्सयूवी300 से अलग है।

करण देओल ने शुरू की दूसरी फिल्म की शूटिंग, नए लुक को देखकर चौंक गए फैंस

सनी देओल के बेटे करण ने साल 2019 में फिल्म 'पल पल दिल के पास' से बॉलीवुड में कदम रखा था. हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास चली नहीं. यहां तक की क्रिटिक्स और दर्शकों से भी फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला. लेकिन अब करण अपनी नई फिल्म लेकर आ रहे हैं और उम्मीद है कि वह इस बार दर्शकों को जरूर खुश करेंगे. रोमांटिक फिल्म से डेब्यू करने के बाद अब करण अपना अलग अवतार दिखाने वाले हैं क्योंकि इस बार वह क्राइम कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे जिसका नाम है वेले इन दिल्ली.

हाल ही में करण को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था और इस दौरान व्हाइट टी शर्ट और जीन्स में करण काफी स्मार्ट लग रहे थे. वह फिल्म के शूट के लिए दिल्ली रवाना हो गए हैं. फिल्म को देवेन मुंजाल डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें 3 दोस्तों की कहानी दिखाई जाएगी. बता दें कि देवेन ने इससे पहले चलते-चलते और ओम शांति ओम फिल्मों में काम किया है.

करण ने अपने नए लुक से फैंस को भी रूबरू कराया है. थोड़ा सीरियस लुक में फोटो शेयर करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, नया लुक, नई शुरुआत. करण से हाल ही में पूछा गया कि उनके लिए लॉकडाउन कितना मुश्किल भरा था तो उन्होंने कहा, 'लॉकडाउन सबके लिए ही मुश्किल था. लेकिन अब धीरे-धीरे सेफ्टी के साथ आपको सब दोबारा से शुरू तो करना पड़ेगा.'

फिल्म की शूटिंग को लेकर करण बोले, 'मैं शूटिंग को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं. इस बार कुछ अलग करने वाला हूं एक शानदार टीम के साथ. जल्द आप सभी को इसकी बाकी की जानकारी दूंगा.'

बता दें कि वेले इन दिल्ली के अलावा करण, फिल्म अपने के दूसरे इंस्टॉलमेंट में नजर आएंगे. फिल्म में पूरा देओल परिवार यानी कि 3 जनरेशन साथ में देखने को मिलेगी जिसमें धर्मेंद्र, सनी देओल बॉबी देओ और करण साथ में नजर आएंगे.

फिल्म को लेकर डायरेक्टर अनिल शर्मा ने कहा था, 'मैं देओल परिवार की 3 जनरेशन को डायरेक्ट करने वाला हूं. ये देओल परिवार की तीनों जनरेशन को मेरा स्पेशल ट्रिब्यूट होगा.'

अनिल ने ये भी बताया था कि वह फिल्म के लिए एक इंटरनेशनल एक्शन डायरेक्टर ढूंढ रहे हैं जो फिल्म के लिए करण को ट्रेन करे. इसके अलावा करण ने बॉक्सिंग की प्रैक्टिस शुरू कर दी है दूसरे ट्रेनर्स के साथ. बता दें कि फिल्म की शूटिंग मार्च-अप्रैल से शुरू होने वाली थी, लेकिन कोविड की वजह से शूटिंग टाल दी गई. अब टीम इस साल सितंबर में लंडन के अपने शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर सकती है.

शर्ली सेतिया फिल्म निकम्मा से बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं

यूट्यूबर सेंसेशन शर्ली सेतिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अपनी क्यूटनेस से सभी का दिल जीतती आई हैं.अब वह अपने हॉट अवतार से फैंस का दिल जीत रही हैं. शर्ली की बोल्ड तस्वीरों को उनके फैंस बहुत पसंद करते हैं. उनकी हर फोटो वायरल हो जाती है. शर्ली जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं. वह फिल्म निकम्मा में नजर आने वाली है. निकम्मा में शर्ली के साथ शिल्पा शेट्टी और भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु दासानी नजर आने वाले हैं. शर्ली ने फिल्म का पोस्टर भी कुछ समय पहले शेयर किया था. शर्ली एक्टिंग के साथ एक बहुत ही अच्छी सिंगर हैं. उनका हर गाना फैंस को बहुत पसंद आता है. शर्ली का हर गाना ट्रेंड लिस्ट में अपनी जगह बना लेता है. शर्ली का निराला अंदाज फैंस को उनका दीवाना बना लेता है. शर्ली वैसे तो न्यूज़ीलैंड सिंगर हैं. वो पॉप स्टाइल में गीत गाती हैं और यू-ट्यूब पर काफ़ी फेमस हैं. उनके यू-ट्यूब चैनल पर 3 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं. उन्हें सिर्फ पॉप स्टाइल सिंगर नहीं बल्कि पजामा पॉपस्टार के नाम से भी लोग जानते हैं.

आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में तेलुगु स्टार नागा चैतन्य की हुई एंट्री

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान और तेलुगु फिल्मों के मशहूर एक्टर नागा चैतन्य इन दिनों लद्दाख में अपनी आगामी फिल्म लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग साथ कर रहे हैं. जी हां, अब से कुछ देर पहले ही नागा चैतन्य ने फिल्म के सेट से अपनी एक तस्वीर को ट्विटर पर शेयर किया है. इस तस्वीर में हमें नागा चैतन्य के साथ आमिर खान और उनकी पत्नी किरण राव नजर आ रही हैं. आपको बता दें, नागा चैतन्य, आमिर खान के पुराने दोस्त हैं. जहां इस फिल्म में हमें ये दोनों सितारे साथ में नजर आने वाले हैं.

खबर है की इस फिल्म में पहले नागा चैतन्य के किरदार को विजय सेतुपति निभाने वाले थे लेकिन किसी वजह से वो इस फिल्म को शूट नहीं कर पाए और अब इस फिल्म में उनकी जगह नागा चैतन्य नजर आएंगे. इस फिल्म के साथ ही नागा चैतन्य अपना बॉलीवुड डेब्यू भी कर रहे हैं. तेलुगु सिनेमा में नागा चैतन्य एक बड़ा नाम हैं. जिस वजह से ये फिल्म साउथ में भी खूब सुर्खियां बटोरने वाली है. इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर नागा चैतन्य ने शेयर किया है. इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है कि वो लाला सिंह चड्ढा की टीम के आभारी हैं कि उन्हें इस फिल्म में शामिल किया गया है. इस फिल्म में उनके किरदार का नाम बाला होगा.

आपको बता दें, लाल सिंह चड्ढा टॉम हैंक्स की फिल्म फॉरेस्ट गंप की इंडियन रीमेक है. इस फिल्म में चैतन्य हमें बेंजामिन बुफोर्ड ब्लू का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे. इस समय फिल्म की टीम लद्दाख में एक वॉर का सिक्वेंस शूट कर रही है. जिसका शेड्यूल कुल 45 दिनों तक चलना है. खबर के अनुसार इस फिल्म के लिए आमिर खान और नागा चैतन्य काफी उत्साहित हैं, जहां वो लगातार इस वॉर सिक्वेंस की शूटिंग कर रहे हैं. आमिर खान के साथ इस फिल्म में करीना कपूर खान भी नजर आने वाली हैं. जहां वो इस फिल्म की पूरी शूटिंग को बहुत पहले ही पूरी कर चुकी हैं. करीना, आमिर के साथ इस फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगी. इस फिल्म का निर्देशन मशहूर निर्देशक अद्वैत चंदन कर रहे हैं. अद्वैत चंदन पहले आमिर खान के मैनेजर हुआ करते थे. उन्होंने आमिर खान को अपनी फिल्म सीक्रेट सुपरस्टार की कहानी सुनाई थी, जिसके बाद आमिर खान ने उनके साथ इस फिल्म को बनाया. ये फिल्म दुनियाभर में सुपरहिट साबित हुई. लाल सिंह चड्ढा से भी उनकी उम्मीदें कुछ ऐसी ही हैं. माना जा रहा है कि ये फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होगी।

साइकिल चलाने से दूर होगी सभी कठिन बीमारियां

नियमित साइकिल चलाने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में सभी को एक विचार है। साइकिल चलाना सभी कठिन रोग। हर दिन साइकिल चलाने से आपके पैसे बचेंगे; ऐसे ही शरीर स्वस्थ रहेगा।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक साइकिलिंग एक बेहतरीन वर्कआउट है, जो आपको एक्टिव रखता है। यह एक स्वस्थ जीवन जीने और शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रहने में मदद करता है।

शरीर के अतिरिक्त वजन को कम करने के लिए साइकिल चलाने का कोई विकल्प नहीं है। साथ ही इसके कुछ खास फायदे भी होते हैं। इस तरह की साइकिलिंग आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाती है और मांसपेशियों का निर्माण करती है।

जब आप आराम करेंगे तब भी शरीर कैलोरी बर्न करने में व्यस्त रहेगा। साथ ही साइकिल चलाते समय अपने शरीर को स्वस्थ रखना सीखें।

- साइकिल चलाने से पैरों की ताकत भी बढ़ती है। इससे आपके पैर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। साइकिल चलाने के प्रदर्शन को और बढ़ाने के लिए प्रति सप्ताह कई बार भारोत्तोलन जैसे कि स्क्वाट, लेग प्रेस और फेफड़े का अभ्यास करें।
- साइकिल चलाने से कमर और पेट की चर्बी कम होती है। वजन बढ़ने पर बहुत से लोग भूरे हो जाते हैं। यदि वे नियमित रूप से साइकिल चलाती हैं तो वे भौहें जल्दी कम कर पाएंगी।
- तनाव दूर करने के लिए साइकिल चलाना भी उपयोगी है। इससे तनाव, हताशा या चिंता आसानी से दूर हो जाती है। क्योंकि साइकिलिंग एक बेहतरीन वर्कआउट का काम करती है। और किसी भी प्रकार के व्यायाम से हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है।
- विशेषज्ञों के अनुसार, जो लोग अवसाद से पीड़ित हैं; साइकिल चलाना उनके लिए फायदेमंद हो सकता है। साइकिल को जीवन का नियमित हिस्सा बनाने से आप और अधिक आत्मविश्वासी बनेंगे।
- साइकिल चलाना कैंसर से पीड़ित लोगों को ठीक करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। साइकिल चलाने से ब्रेस्ट कैंसर समेत कई तरह के कैंसर का खतरा कम होता है। 2019 के एक अध्ययन के अनुसार, साइकिल चलाने से स्तन कैंसर के रोगियों के इलाज के दुष्प्रभाव कम होते हैं।
- यदि आप सुबह उठकर थोड़ी देर साइकिल चलाकर उठते हैं; तब शरीर में रक्त संचार बढ़ेगा। नतीजतन, आप पूरे दिन काम पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम होंगे, साथ ही साथ बहुत सारी ऊर्जा भी प्राप्त करेंगे। अध्ययनों से पता चला है कि सुबह साइकिल चलाने से चर्बी कम होती है, सहनशक्ति बढ़ती है और ऊर्जा और चयापचय में सुधार होता है।
- 2019 में एक अध्ययन में पाया गया कि जो लोग नाश्ते से पहले 6 सप्ताह तक साइकिल चलाते हैं; उनकी इंसुलिन प्रतिक्रिया में सुधार हुआ।
- नियमित साइकिलिंग से हृदय संबंधी समस्याओं जैसे स्ट्रोक, दिल का दौरा और उच्च रक्तचाप को रोका जा सकता है। साइकिल चलाने से टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी कम होता है।
- साइकिल चलाने से संतुलन, मुद्रा और ध्यान बढ़ता है। जब आप अपने शरीर को स्थिर करें और बाइक को सीधा रखें; तब आपका समग्र संतुलन, समन्वय और मुद्रा में सुधार होता है। नतीजतन, अचानक गिरने और फ्रैक्चर की घटनाएं कम होती हैं।
- यदि आप बाइक की सवारी नहीं कर सकते हैं; फिर घर पर व्यायाम करने के लिए साइकिल खरीदें। नियमित साइकिल चलाने से आपको फायदा होगा।

अपनी अगली फिल्म में एक पत्रकार की भूमिका में दिखेंगी यामी गौतम

यामी गौतम बॉलीवुड की दिलकश अभिनेत्री हैं। अपनी सुंदरता और मुस्कान से इन्होंने लाखों प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई है। इस साल वह कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में छायी हुई हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि वह अपनी अगली फिल्म में एक पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगी। अभी इस फिल्म का शीर्षक निर्धारित नहीं किया गया है। 2016 में आई फिल्म पिंक के निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, यामी अनिरुद्ध की अगली फिल्म में एक पत्रकार की भूमिका में दिखेंगी। खबरों की मानें वह फिल्म की शूटिंग इसी साल अगस्त में शुरू कर सकती हैं। एक सूत्र ने बताया, इस फिल्म की शूटिंग मई में कोलकाता और पुरुलिया में होने वाली थी, लेकिन कोरोना महामारी की दूसरी लहर के कारण यह संभव नहीं हो पाया। जब हालात सुधर रहे हैं, तो अब अनिरुद्ध अगस्त में कोलकाता में शूटिंग शुरू कर सकते हैं। फिल्म की कहानी का बड़ा हिस्सा कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में पत्रकारिता के उन अपराधों को फिल्माया जाएगा, जिसकी ओर अमूमन हमलोगों का ध्यान नहीं जाता। सूत्र ने बताया, यामी को जब फिल्म की नैरेशन सुनाई गई तो उन्हें इसकी स्क्रिप्ट पसंद आई है। वह एक पत्रकार की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की कहानी की बारीकियों को समझने के लिए उन्होंने पिछले कुछ महीनों में कई बार निर्देशक के साथ जूम कॉल की है। अभिनेत्री यामी हाल में अपनी शादी को लेकर चर्चा में थीं। उन्होंने मशहूर निर्देशक आदित्य धर से शादी रचाई है। हिमाचल प्रदेश में एक निजी समारोह में दोनों एक-दूसरे के साथ शादी के बंधन में बंधे हैं।

पार्किंसंस जैसे रोग से लड़ने में भी एक कारगर औषधि है संगीत

संगीत का भारतीय संस्कृति में हमेशा खास महत्व रहा है। माना जाता है कि बड़े-बड़े संतों और महात्माओं ने संगीत की साधना कर मोक्ष को प्राप्त किया है। आज के वक्त में भी संगीत के बिना भारतीय जीवन की कल्पना करना बहुत ही मुश्किल है। घर परिवार में होने वाले हर छोटे-बड़े त्यौहार में संगीत का अपना महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि एक अच्छा संगीत औषधि के समान होता है। अमेरिका की आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी के शोध में बताया गया है कि मन को शांति प्रदान करने वाला संगीत पार्किंसंस जैसे रोग से लड़ने में भी एक कारगर औषधि है। अमेरिका में आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक चिकित्सीय गायन समूह के 17 प्रतिभागियों की हार्ट बीट, ब्लड्प्रेशर और कोर्टिसोल लेवल को मापा। अपने इस शोध में वैज्ञानिकों ने यह देखा की संगीत पार्किंसंस रोग के तनाव और लक्षणों को कम कर सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि संगीत चिकित्सा, दवा लेने के समान ही फायदेमंद है। शोध में शामिल 17 प्रतिभागियों ने म्यूजिक ट्रीटमेंट से पहले ये बताया कि उनका मूड किस तरह का है। इसमें उन्होंने अपनी उदासी, चिंता, खुशी और गुस्से के बारे में सूचना दी। इसके बाद उन्हें लगातार एक हफ्ते तक एक घंटे के गायन सत्र में भेजा गया। एक हफ्ते के बाद जो रिजल्ट मिले वो हैरान करने वाले थे। आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी के एक सहायक प्रोफेसर एलिजाबेथ स्टीगमोलर ने कहा हमने ये देखा कि जैसे ही गायन सत्र खत्म होता था लोगों के मूड में लगातार सुधार हो जाता था। वो पहले के मुकाबले बेहतर महसूस कर रहे थे। स्टीग्मोलर ने कहा, हम ये देखना चाहते थे कि संगीत किस तरह पार्किंसंस रोग से प्रभावित लोगों की हार्ट बीट, ब्लड्प्रेशर और कोर्टिसोल को प्रभावित करता है। यह देखने के लिए यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है। हमने ये देखा की सभी तीन स्तर कम हो गए थे स्टीग्मोलर ने आगे कहा कि प्रारंभिक आंकड़ों के आधार पर हम ये नहीं कह सकते की हम फाइनल रिजल्ट पर पहुंच गए हैं। क्योंकि गायन सत्र के बाद उन लोगों की खुशी या गुस्से में कोई खासा अंतर नहीं था। हालांकि, प्रतिभागी पहले के मुकाबले कम चिंतत और कम उदास थे।

नोरा फतेही ने बॉडीकॉन ड्रेस में दिखाया बोल्ड अवतार, फोटोज देख फैंस हुए दीवाने

डांसिंग क्वीन नोरा फतेही अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक से फैंस का दिल जीत लेती हैं. उनका हर अंदाज फैंस को बहुत पसंद आता है. उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं. आज नोरा ऑफ व्हाइट बॉडीकॉन ड्रेस में टी-सीरीज के ऑफिस के बार स्पॉट हुईं. उनकी ये तस्वीरें वायरल हो गई हैं. नोरा ने फोटोज में व्हाइट बॉडीकॉन ड्रेस पहनी है और इसके साथ व्हाइट हैंडबैग कैरी किया है. उनके खुले बाल उनके लुक को कॉम्प्लीमेंट दे रहे हैं. नोरा का ये अवतार उनके फैंस को बहुत पसंद आ रहा है. वह उनकी तस्वीरों पर कमेंट कर रहे हैं. कुछ फैंस को कह रहे हैं नोरा ने अपने लुक से मुंबई का पारा बढ़ा दिया है. नोरा ने फोटोग्राफर्स के लिए टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर अलग अलग पोज दिए, जो उनके फैंस का दिल जीत रहे हैं. नोरा जल्द ही अजय देवगन की फिल्म भुज में नजर आने वाली हैं. फिल्म में उनका अहम किरदार होने वाला है. यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है. नोरा कुछ समय पहले डांस रियलिटी शो डांस दीवाने 3 में नजर आई थीं. वह कुछ एपिसोड्स में बतौर जज नजर आई थीं।

दाऊद पर शिकंजा

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके डी कंपनी गैंग से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी देने के लिए नकद इनाम राशि देने की घोषणा की है। अंडरवर्ल्ड गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के लिए एनआईए ने 25 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है। आईएनए के मुताबिक दाऊद इब्राहिम का गिरोह हथियार, विस्फोटक, ड्रग्स और नकली भारतीय मुद्रा नोट की तस्करी के लिए भारत में इकाई की स्थापना करने की कोशिश में लगा है और पाकिस्तानी एजेंसियों और आतंकी संगठनों के साथ मिलकर आतंकी हमले करने की फिराक में है। जांच एजेंसी ने इब्राहिम के करीबी शकील शेख उर्फ छोटा शकील पर 20 लाख रुपए और हाजी अनीस उर्फ अनीस इब्राहिम शेख, जावेद पटेल उर्फ जावेद चिकना और इब्राहिम मुश्ताक अब्दुल रज्जाक मेमन उर्फ टाइगर पर 15-15 लाख रुपए का नकद इनाम देने की भी घोषणा की है। ये सभी 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों के मामले में वांछित आरोपी हैं। एजेंसी ने फरवरी में डी कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एनआईए ने एक बयान में कहा कि दाऊद इब्राहिम कासकर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक वैश्विक आतंकवादी नामित किया गया है, जो एक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी नेटवर्क चलाता है, जिसका नाम डी-कंपनी है, जिसमें अनीस इब्राहिम शेख, छोटा शकील, जावेद चिकना और टाइगर मेमन जैसे उसके करीबी सहयोगी शामिल हैं। .दाऊद 1993 के मुंबई बम धमाकों में भारत का मुख्य वांछित अपराधी है। उन धमाकों में 250 से ज्यादा निरीह लोगों की जानें गई थीं। उस घटना के बाद से ही यह आतंकी भारत से फरार है और पाकिस्तान भले ही इनकार करता आया हो, यह उसी के संरक्षण में रहा और वहीं अपने ठिकाने बदलता रहा। उसके दुबई सहित कई अन्य देशों में भी होने की खबरें आती रही हैं। कोई शक नहीं कि दाऊद को पाकिस्तान व आईएसआई का संरक्षण हासिल है और उनके सहयोग से ही उसका पाकिस्तान के बाहर भी आना-जाना रहा है। वह आज भी उन्हीं की सरपरस्ती में ही वहीं कहीं होगा। जरूरत इसी तरह दबाव बढ़ाते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और इंटरपोल की मदद से उसे ढूंढ निकालने और गिरफ्तार करने की है। इसीलिए अब उसे खोजने वाले को इनाम देने का ऐलान किया गया है। भरोसा किया जाना चाहिए कि जिस तरह अबू सलेम को भारत लाने और सजा दिलवाने में कामयाबी मिली, वैसी ही सफलता दाऊद के मामले में भी जल्द मिलेगी। अपने यहां दाऊद इब्राहिम की मौजूदगी को लेकर पाकिस्तान कई बार पलटी मार चुका है। इमरान सरकार ने यह कबूला था कि दाऊद इब्राहिम उसी के यहां है और वहां उसकी संपत्तियां व बैंक खाते हैं। कराची के जिस घर में वह रहता है, उसका पता भी पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक किया था। यह भी बताया गया कि दाऊद के पास चौदह पासपोर्ट हैं। पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी 88 आतंकवादियों की सूची में भी दाऊद का नाम है। ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि दाऊद पाकिस्तान में ही है और पूरी तरह से सरकार, सेना और आईएसआई की सुरक्षा में रह रहा है। मगर जब पाक पर दबाव बढ़ा तो वह इस सूचना से मुकर गया। यह सवाल तब भी उठा था कि पाकिस्तान पर अचानक ऐसा क्या संकट आया कि उसे अपने यहां दाऊद की मौजूदगी को दुनिया के समक्ष कबूलना पड़ा। और इससे भी बड़ा और चौंकाने वाला प्रश्न यह कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि इस कबूलनामे के तत्काल बाद पाकिस्तान अपनी बात से मुकर गया। यह कोई छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान दुनिया के उन चंद देशों में शीर्ष पर है जो आतंकवाद फैलाने के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं।

शिवराज ने 2023 की स्क्रिप्ट लिखनी शुरू कर दी..!

ऋतुपर्ण दवे

देश का दिल मध्यप्रदेश हमेशा से ही अपनी सियासत के लिए बेहद अलग मुकाम रखता रहा है। एक दौर हुआ करता था जब यहाँ की सियासत में रियासत बेहद खास होती थीं। अब भी हैं लेकिन वक्त के कुछ बदला जरूर है। फिलहाल एक बेहद आम और साधारण किसान परिवार से आने वाले तथा अपने दमखम पर राजनीति में खास मुकाम तक पहुँचे शिवराज सिंह चौहान न केवल मुख्यमंत्री हैं बल्कि भाजपा के मुख्यमंत्रियों में अब तक के सबसे लंबे कार्यकाल को पूरा करने का रिकॉर्ड बना निरंतर बने हुए हैं। उनके भविष्य को लेकर चाहे जितनी और जैसी अटकलबाजियाँ लगें वह केवल कयास से ज्यादा कुछ नहीं निकलीं।

यह वही मप्र है जहाँ पहले भी और अब भी राजघराने या यूँ कहें कि राज परिवार, जागीरदार और जमींदार, सियासत में खुद को सफल बनाने और जनता से जुड़े रहने के लिए किसी न किसी तरह से सक्रिय हैं तथा देसी रियासतों के विलय के बाद लोकतंत्र के जरिए जनता पर शासन करने की सफल नीति को अपनाया। ग्वालियर के सिंधिया राजघराना से स्व. विजयाराजे सिंधिया, स्व. माधवराव सिंधिया के बाद अब ज्योतिरादित्य सिंधिया की भूमिका सामने है। वहीं उनकी एक बुआ राजस्थान की मुख्यमंत्री रहीं तो दूसरी प्रदेश में मंत्री हैं। राघवगढ़ राजघराने के दिग्विजय सिंह 10 साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे तो अब उनके बेटे और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह और भाई लक्ष्मण सिंह विधायक हैं। इनसे पहले चुरहट राजघराने के अर्जुन सिंह भी प्रदेश के 6 साल तक मुख्यमंत्री रहे। अब इनके बेटे पूर्व मंत्री अजय सिंह प्रदेश के बड़े नेता हैं। वहीं रीवा राजघराने के पुष्पराज सिंह मंत्री रहे हैं और अब भी सक्रिय हैं। मकड़ाई (हरदा) राजघराने के विजय शाह और संजय शाह दोनों ही विधायक और भाजपा के बड़े नेता हैं। विजय शाह मंत्री हैं। एक भतीजा अभिजीत कांग्रेस के युवा चेहरा हैं। देवास राजघराने के तुकोजीराव पवार की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी गायत्री राजे पवार विधायक के रूप में राजनीतिक विरासत को संभाले हुए हैं। सोहागपुर (शहडोल) रियासत से मृगेन्द्र सिंह और उनके अनुज गंभीर सिंह भी विधायक रह चुके हैं। राजघरानों से अब तक मप्र में 4 मुख्यमंत्री हुए हैं। संविद सरकार में गोविंद नारायण सिंह, उनके इस्तीफे के बाद गोंड आदिवासी राजा नरेशचंद्र सिंह। बाद में कांग्रेस सरकार में अर्जुन सिंह तीन बार तो दिग्विजय सिंह दो बार मुख्यमंत्री बने।

मप्र में ग्वालियर, राघोगढ़, रीवा, चुरहट, नरसिंहगढ़, मकड़ाई, खिचलीपुर, देवास, दतिया, छतरपुर, पन्ना जैसे छोटे-बड़े राजघराने राजनीति में काफी सक्रिय और सफल थे और हैं। लेकिन गणना की जाए तो मप्र की सियासत की डोर कभी राजनीतिज्ञों तो कभी आम हाथों में ज्यादा रही। अब तक प्रदेश को 32 मुख्यमंत्री मिले जिनमें रविशंकर शुक्ल (एक बार), भगवंतराव मंडलोई, कैलाश नाथ काटजू, द्वारका प्रसाद मिश्रा (दो-दो बार), गोविंद नारायण सिंह, नरेशचंद्र सिंह (एक-एक बार), श्यामाचरण शुक्ल (तीन बार), प्रकाश चंद्र सेठी (दो बार), कैलाशचंद्र जोशी, विरेंद्र कुमार सकलेचा (एक-एक बार), सुंदरलाल पटवा (दो बार), अर्जुन सिंह (तीन बार), मोतीलाल वोरा, दिग्विजय सिंह (दो-दो बार), उमा भारती, बाबूलाल गौर, कमलनाथ (एक-एक बार) और शिवराज सिंह चौहान तीन बार पहले और चौथी बार अब तक हैं। जबकि प्रदेश में तीन बार राष्ट्रपति शासन भी लगा। निश्चित रूप से मप्र की राजनीति कुछ अलग तो काफी घुमावदार भी है। कभी लगता है कि राजघरानों के प्रति विश्वास बरकरार है तो कभी आदिवासी वोट बैंक निर्णायक लगते हैं। चुनावों में आदिवासियों का साफ प्रभाव यही दिखाता है। बीते दो विधानसभा चुनाव के आँकड़े देखें तो सब कुछ समझ आता है। यहाँ आदिवासियों की बड़ी आबादी है जिनका 230 विधानसभा सीटों में से 84 पर सीधा-सीधा प्रभाव है। आदिवासी बहुल इलाके में भाजपा को 2013 में 59 सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि 2018 में 84 में 34 सीटों पर सिमट कर रह गई। शायद इन्हीं कम हुई 25 सीटों के चलते तब भाजपा सीधे-सीधे सरकार बनाने से चूक गई थी। इसे यदि आरक्षण के लिहाज से देखें तो 2013 में आरक्षित 47 सीटों में भाजपा 31 पर जीती जबकि कांग्रेस केवल 15 ही जीत पाई। वहीं 2018 के नतीजे लगभग उलट रहे जहाँ काँग्रेस ने 30 सीटें जीती तो भाजपा महज 16 पर सिमट गई। एक निर्दलीय भी जीता। इसी चलते तब मप्र में कॉंग्रेस की कमलनाथ सरकार बनी थी। लेकिन अन्दरूनी कलह और सत्ता में पकड़ बनाए रखने, वर्चस्व की लड़ाई में पारस्परिक विफलता के चलते केवल 15 महीनों में हुई बड़ी बगावत से कॉंग्रेस सरकार गिर गई। इसके पिछे तब दो राजघरानों ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिग्विजय सिंह की रस्साकशी सबने देखी। कमलनाथ और उनके सिपहसलारों पर उंगलियां भी उठीं। कहीं विधायकों का उतावलापन तो कहीं मीडिया में आए बेतुके बयान। गुरुग्राम की होटल में दो विधायकों का हंगामा तो सिंधिया समर्थक 22 विधायकों की बेंगलुरु में खेमेबाजी ने आखिर 15 सालों के निर्वासन के बाद सत्ता में लौटी कॉंग्रेस को 15 महीनों में ही चलता कर दिया। 22 कॉंग्रेसी विधायक जिसमें 6 मंत्री थे ने इस्तीफा देकर कमलनाथ सरकार गिरा दी। इसमें ग्वालियर राजघराने के ज्योतिरादित्य सिंधिया की सबसे खास भूमिका रही। इसी के बाद चौथी बार शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री बने। तीन और विधायकों के इस्तीफे, तीन के निधन से मध्य प्रदेश में खाली हुई 28 सीटों पर 3 नवंबर 2020 को मतदान हुआ जिसमें भाजपा 19 तो कांग्रेस केवल 9 सीट जीत पाई। आखिर बहुमत के आँकड़ों में कॉंग्रेस पिछड़ गई और बचे कार्यकाल के बनवास पर मुहर लग गई। मजबूरन उपचुनाव झेल चुकी कॉंग्रेस में बड़े-बड़े तुरुप के इक्कों के बावजूद संगठनात्मक पकड़ कमजोर हुई जिसका नतीजा सामने है। इस सत्ता परिवर्तन की कड़ियाँ एक नहीं कई थीं जिसकी जड़ में कॉंग्रेस की अन्दरूनी कलह ज्यादा रही।

हाल ही में 347 निकाय चुनावों में भाजपा ने 256 में बढ़त दर्ज की। लेकिन सात बड़े शहर में हाथ से निकल गए। कांग्रेस केवल 58 बढ़त ले पाई। भाजपा की सफलता का प्रतिशत 74 तो कॉंग्रेस का 18 रहा। सीटों के हिसाब से देखें तो भाजपा को 52.29 और कॉंग्रेस को 28.39 प्रतिशत सीटें मिलीं। श्रेय शिवराज को मिला। अब शिवराज रोजाना कभी समीक्षा तो कभी मॉर्निंग ऐक्शन में तो कहीं जनसभा में ही अधिकारियों को फटकार और निलंबन के आदेश देते हुए बरखास्तगी की चेतावनी और सख्ती भरे तेवर दिखाते हैं। शहडोल, सिंगरौली, पन्ना, बालाघाट, उमरिया, जबलपुर, सिवनी सहित कई जिलों के उदाहरण सामने हैं। विकास कार्य समय पर कराने, आवास योजनाओं में लेटलतीफी रोकने, ढंग से राशन वितरण, व्यवस्थित सीएम राइज स्कूल, दुरुस्त शहरी पेयजल योजना, आंगनबाड़ी में पेयजल, बदहाल बिजली व्यवस्था, खस्ताहाल सड़कें, सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण यानी जनता से सीधे जुड़े मसलों को लेकर शिवराज बेहद सख्त दिखते हैं। जहाँ से सही जवाब नहीं मिलता या अधिकारी किन्तु-परन्तु बताते हैं तो वहीं फटकार लगाते हैं।

शांति के लिए संतुलन जरूरी है...

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन यह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे। जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

भाजपा से आरपार की लड़ाई के संकेत

नवीन जैन

राहुल गांधी सात सितंबर से भारत जोड़ो यात्रा के लिए निकल रहे हैं।भारत की एकता , और अखंडता में कहां कहां दरारें आ गई हैं ,इसका जवाब न राहुल के पास है ,ओर न ही कांग्रेस में मची भग दड के बाद बचे खुचे कांग्रेस जनों के पास । माना जाता है कि सदियों पहले अफ्रीका से एक मानव चला था ।फिर ,देखते देखते दुनिया ही बस गई । भारत में जुमला आम है कि बहता पानी भला ,रमता जोगी भला ,लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी कोई जोगी सन्यासी नहीं हैं । सियासत का खेल शुद्ध रूप से सत्ता पाने का होता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी , और लोकनायक जय प्रकाश नारायण जैसे नेताओं की बात अलग थी।तो ,तय है कि राहुल अपना कारवां लेकर दिल्ली की कुर्सी तक ही जाने के लिए लगभग साढ़े तीन हज़ार किलो मीटर लंबी कन्याकुमारी से कश्मीर तक के सफर पर निकले हैं।कभी मशहूर शायर , और फिल्मी गीतकार मरहूम मजरूह सुल्तानपुरी बस एक ही शेर से लोगों के दिलों पर राज करने लगे थे, और वो शेर था , मैं तो अकेला ही चला था जानिब ए मंज़िल मगर लोग जुड़ते गए और कारवां बढ़ता गया ,लेकिन राहुल की सबसे बड़ी दिक्कत यह है उनका घर ही उनसे सम्हाले नहीं सम्हल पा रहा है। ।पहले उनकी हेकड़ी , और बे सिर पैर के आरोपों के चलते उनके पिताजी पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी द्वारा पार्टी में शामिल किए गए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल कोफ्त महसूस करते हुए समाजवादी पार्टी जैसी क्षेत्रीय पार्टी में शामिल होने को मजबूर हुए। अब आलम यह है कि गुलाम नबी आज़ाद जैसे वफादार नेता ने पार्टी से छुट्टी ले ली। वे , जम्मू कश्मीर में क्षेत्रीय दल बनाने जा रहे हैं । यदि मीडिया में आ रही खबरों को सही माने तो निकट भविष्य में पार्टी छोड़कर जाने वालों की रेलम पेल मचने वाली है।

सवाल है कि सोनिया गांधी की चूंकि उम्र हो गई है ,और फिर उनकी तबियत भी गवारा नहीं करती इसलिए उनकी ,तो बहरहाल चर्चा छोड़ ही दें ,लेकिन जब राहुल ही पार्टी को एक सूत्र में बांधे रखने में हरदम विफल रहे ,तो वे आखिर देश की किस अखंडता ,और एकता के दांव पर लगने का हवाला किस आधार पर दे रहे हैं ?यदि नेहरू गांधी परिवार ने पार्टी को प्राइवेट लिमिटेड कंपनी नहीं बनाया होता ,तो देश को आजादी दिलाने वाली पार्टी की यह बुरी गत नहीं बनी होती ।राहुल को भी प्रधानमंत्री बनने का पूरा अधिकार है ,क्योंकि वे भी आखिरकार इस देश के नागरिक हैं ,लेकिन बी.बी.सी. ने करीब दो साल पहले राजीव गांधी ,एवं राहुल गांधी के समग्र व्यक्तित्व का अलग विश्लेषण किया था । बी.बी.सी. ने लिखा था कि वास्तव में पिता पुत्र दोनों की शख्सियत राजनीतिक है ही नहीं। दोनों पूरी तरह से गृहस्थ हैं,और वहीं उन्हें रहना चाहिए। सोनिया गांधी ने बाद में राजीव गांधी की हत्या से तड़प कर बाद मीडिया के सामने यह कहकर अपना दर्द व्यक्त किया था कि ड्ड इड्ड2ड्ढ4ड्ढ इड्ढद्यद्गह्य ऋड्ढद्दद्ग1 ट्टह्वह्ड हृष ड्ढश्चद्दइ्ढद्धद्बह्वद्ध यानी मैं राजीव से हरदम कहती थी कि राजनीति में मत जाओ ,जबकि ,2014 के आम चुनावों से ही सोनिया राहुल को प्रधानमंत्री बनवाने की कवायद में लगी हुई हैं। उसके पहले विदेशी मूल के मुद्दे पर एक तरह से उन्हें क्लीन चिट मिलने के बाद पार्टी ने उन्हें ही देश की सबसे ऊंची कुर्सी सौंपने का मन बना लिया था ,लेकिन एन.सी.पी. के अध्यक्ष शरद पवार जैसे उच्च पद के ही ख्वाहिश मंद आड़े गए ।राहुल को याद रखना होगा कि नमक कानून यानी महात्मा गांधी के दांडी मार्च के ठीक 17साल बाद देश को आज़ादी मिल पाई थी।उसी दौरान लाखों लोग इस यात्रा से जुड़ते गए।सवाल है कि क्या राहुल गांधी भी नए गांधी बनने जा रहे है? फ़िलहाल ,तो ऐसा लगता नहीं। न तो उनके पास कोई बुनियादी राजनीतिक , और इतिहास की समझ है । न ही दूरगामी दृष्टि।अक्सर देखा जाता रहा कि वे गुस्सैल ,चिढ़ चिढ़े ,मुंहफट अंदाज में पेश आते रहे।उनकी उम्र के साथ जो पीढ़ी खुद भी जवान हो रही थी ,वह अब प्रौढ़ ही होकर उनसे लगभग उकता गई है। नई पीढ़ी को भी उनमें कोई कशिश नजर नहीं आती। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री स्व.चंद्रशेखर की पद यात्रा भी सुर्खियों में रही। वे ,सूखे मेवे के नाश्ते के साथ पूरी यात्रा के दौरान कहते रहे कि मैं तो देश को समझने निकला हूं लेकिन किसी ने उनके बयानों पर ज्यादा गौर नहीं किया। लगभग यह कयास आम हो चुका था कि वास्तव में चंद्रशेखर की पीडा भी प्रधानमंत्री की कुर्सी है।यह कोशिश तब ,तो विफल रही , लेकिन आगे चलकर सचमुच चंद्रशेखर मात्र 60 के आस पास सांसदों के बूते पर राजीव गांधी से समर्थन लेकर प्रधानमंत्री बन ही गए।

भ्रष्ट तत्वों को बचाने वाले महाभ्रष्ट कौन

सूडोकु नवताल- 6186

सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6185 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

अनिल बिहारी श्रीवास्तव

दो खबरों ने लोगों का ध्यान अवश्य खींचा होगा। पिछले दिनों आई एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय सतर्कता आयोग(सीवीसी) के पास विभिन्न सरकारी विभागों से अभियोजन की अनुमति नहीं मिलने के चलते भ्रष्टाचार से जुड़े 171 मामले लंबित हैं। इनमें 600 से अधिक अधिकारी आरोपित हैं। मामलों की जांच सीबीआई कर रही है। सबसे अधिक 65, भ्रष्टाचार के मामले वित्तीय सेवा विभाग(डीएफएस) के पास मंजूरी के लिए लंबित बताये गए हैं। इनमें 325 अधिकारी जुड़े हुए हैं। इसके अलावा शेष आरोपित अधिकारी सीमा और केंद्रीय उत्पाद शुल्क, रेलवे मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली कोयला एवं खनन मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, आयकर विभाग, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय के बताये जा रहे हैं। सीवीसी का कहना है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 19 के तहत अभियोजन की मंजूरी देने का अनुरोध मिलने पर सभी संबंधित मंत्रालयों, विभागों और संगठनों तेजी से निर्णय लेने की जरूरत है।

दूसरी खबर पटना से आई है। सूत्रों के हवाले कहा गया है कि बिहार में भी सीबीआई को मिली सामान्य अनुमति(जनरल कंसेंट) को वापस लेने के लिए पृष्ठभूमि तैयार की जा रही है। सत्ताधारी महागठबंधन के नेता आरोप लगा रहे हैं कि सीबीआई को टूल्स की तरह केंद्र सरकार द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा है। हाल ही में पड़े सीबीआई के छापों से राजद नेताओं में बौखलाहट देखी जा रही है। लगभग आधा दर्जन राज्य पहले ही सामान्य अनुमति वापस लिए बैठे हैं। उल्लेखनीय है कि 2015 में मिजोरम सरकार ने सीबीआई को दी गई सामान्य अनुमति वापस ली थी। बाद में इसे बहाल कर दिया गया। 2018 बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू ने सामान्य अनुमति वापस ले ली थी। नायडू के सत्ताच्युत होने के बाद 2019 मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने सामान्य अनुमति पुन: बहाल कर दी। 2019 छत्तीसगढ़ और 2020 में राजस्थान सरकार ने सामान्य अनुमति वापस ले ली। केरल, झारखंड और महाराष्ट्र में भी ऐसा ही निर्णय लिया गया। महाराष्ट्र में उद्धव सरकार ने यह निर्णय लिया था। सीबीआई का संचालन दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टेब्लिशमेंट एक्ट-1946 के तहत होता है। इस कानून के अनुसार सीबीआई को किसी भी राज्य में अपनी कार्रवाई या जांच शुरू करने के लिए संबंधित सरकार से अनुमति लेनी होती है। गौर करने लायक बात यह है कि जिन राज्यों ने सामान्य अनुमति वापस ली है उनमें अधिकांश गैर-भाजपा शासित हैं। क्या इस तरह के फैसलों का मकसद केंद्र से टकराव मोल लेना या फिर भ्रष्ट और अपराधी तत्वों को सीबीआई की कार्रवाई से बचाना नहीं हो सकता है?

इसी वर्ष राज्यसभा में केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि राज्य सरकारों की अनुमति के अभाव में महाराष्ट्र, बंगाल, पंजाब, राजस्थान, झारखंड और छत्तीसगढ़ में 221 मामले लंबित हैं। इनमें 40 मामले एक वर्ष से अधिक समय से लंबित हैं। 133 मामले छह माह से एक वर्ष के बीच की अवधि के हैं। इन राज्यों के सामान्य अनुमति वापस लेने के कारण सीबीआई 30912 हजार करोड़ रुपये से अधिक के भ्रष्टाचार के मामलों की जांच शुरू नहीं कर पा रही है। खास बात यह है कि इनमें सबसे अधिक 29 हजार करोड़ के मामले अकेले महाराष्ट्र के हैं। महाराष्ट्र को छोड़कर सभी पांच राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार है। महाराष्ट्र में इसी वर्ष जून माह तक कांग्रेस-शिवसेना गठबंधन की महाअघाड़ी की विपक्षी सरकार थी। अब वहां भाजपा गठबंधन की सरकार है। विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में ही सीबीआई को अनुमति लटकाये रखे जाने से यह आरोप लगाने की वजह मिल जाती है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम में जानबूझ कर अड़ंगा लगाया जा रहा है।

एक दूसरे पर प्रहार चुनावी हथियार!

डॉ. भरत मिश्र प्राची

देश की राजनीति दिन पर दिन गिरती जा रही है जहां सत्ता पाने एवं बचाने के लिये सत्ता का दुरुपयोग किया जाना आम बात है। एक दूसरे पर प्रहार चुनावी हथियार बन चुका है। सांसदों एवं विधायकों की खरीद फरोख्त का मामला तो पुराना हो चला है अब सत्ता की आड़ में डरा धमकाकर तोड़फोड़ की राजनीति भी शुरू हो गई है । इस प्रक्रिया के तहत अब बात उभर कर सामने आने लगी है कि जो सत्ता का विरोध करे वह आरोपित, जो साथ में रहे वह पाक, उसे किसी तरह का खतरा नहीं। इस परिवेश ने आज भारतीय राजनीति का भूगोल बदल दिया है। सरकार द्वारा आम जन को दी जाने वाली सुविधाएं रेवड़ी की संज्ञा में गिनी जाने लगी। इसे लेकर विवाद शुरू हो गया। सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंच गया। चुनावी हार का भय मन में समाने लगा। तभी तो एक दूसरे पर राजनीतिक प्रहार शुरू हो गया। अभी लोक सभा चुनाव होने में समय है, इससे पूर्व कई राज्यों के विधान सभा चुनाव होने वाले है जो केन्द्र में होने वाले लोकसभा चुनाव को प्रभावित कर सकते है। लोकसभा चुनाव से पूर्व होने वाले विधान सभा चुनाव में गुजरात विधान सभा चुनाव काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जहां की बदली राजनीति लोकसभा चुनाव पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। गुजरात में कई वर्षों से भाजपा की सरकार चल रही है। गुजरात की राजनीति में अपना परचम फहराने वाले एवं वर्षों मुख्यमंत्री पद को सुशोभित करने वाले आज देश की राजनीति में सर्वोच्च शिखर पर विराजमान है , उनके विशेष सहयोगी भी गुजरात राज्य की राजनीति से जुड़े है। आज ये दोनों भाजपा के प्रमुख जनाधार बने है जिनके नेतृत्व में केन्द्र की सरकार चल रही है। आज भारतीय राजनीति में इनका परचम चारों दिशा में लहरा रहा है जहां विपक्ष कमजोर नजर आ रहा है। पर गुजरात की बदली राजनीति इनके प्रभाव को कम कर सकती है। जब से आम आदमी पार्टी आप सुप्रीमो के पग गुजरात की ओर बढ़ चले है तब से भाजपा में भूचाल आ गया है। उसे डर लगने लगा कि पंजाब की तरह आप गुजरात का भी राजनीतिक भूगोल न बिगाड़ दे। यदि गुजरात का राजनीतिक भूगोल बदल गया तो यह बदलाव लोकसभा चुनाव पर भी अपना प्रभाव डाल सकता है। इसी कारण आप आरोप के घेरे में कैद होने लगी है। दिल्ली में आप एवं भाजपा के बीच छिड़े राजनीतिक युद्ध एवं एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप के उभरते परिवेश को आसानी से देखा जा सकता। बिहार में बदली राजनीतिक पृष्ठभूमि का भी प्रभाव वर्तमान परिवेश पर देखा जा सकता है।

हाथ ठेले वाले से अवैध वसूली करने वाला एएसआई निलंबित

-हफ्ता वसूली नहीं देने पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा और सामान फेंका

मुरैना। जिला मुख्यालय सहित अधिकांश थाना क्षेत्रों में पुलिस कर्मचारी बेलगाम होते जा रहे हैं और जमकर अवैध वसूली में जुटे हुए हैं। कई प्रकरण अधिकारियों के सामने आ जाते हैं तो कार्रवाई हो जाती है अन्यथा गरीब लोग यूं ही खाकी वर्दी का शिकार होते रहते हैं। बीती रात जिला अस्पताल की नई बिल्डिंग के पास हाथ ठेला लगाकर अपने परिवार का जीवन यापन करने वाले एक युवक को कोतवाली पुलिस के एएसआई ने अपने साथी के साथ शराब पीकर हफ्ता वसूली की और ना देने पर उसे दौड़ा-दौड़ा कर पीटा एवं उसका ठेला पलट दिया, जिससे सामान सड़क पर फैल गया। इस मामले में कुछ पार्षदों ने पहल करते हुए पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की और घटना की जानकारी दी, जिस पर से पुलिस अधीक्षक ने राकेश यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर लाइन भेज दिया है और मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सौंप दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश जादौन पुत्र नेत्रपाल सिंह निवासी वार्ड नंबर 31 विवेकानंद कॉलोनी गणेशपुरा मुरैना जिला अस्पताल की नवीन बिल्डिंग के बाहर हाथ ठेला लगाकर चाय बिस्कुट आदि बेचकर अपने परिवार का जीवन यापन कर रहा है। बीती रात्रि को एएसआई राकेश यादव शराब पीकर ठेले पर आया और कहा कि ठेला लगाना है तो 500 रूपए हर महीने देने पड़ेंगे, राजेश ने मना किया और विरोध किया तो एएसआई ने उसे दौड़ा-दौड़ा कर पीटने लगा तथा ठेले पर का सामान सड़क पर फैला दिया। ठेले वाले ने पुलिस अधीक्षक को कुछ पार्षदों के साथ जाकर शिकायती आवेदन दिया और बताया कि एएसआई द्वारा उसका मोबाइल तोड़ दिया गया तथा हाथ ठेला में रखे 3000 रूपए ले गया। पीड़ित के साथ हुई घटना को पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से लेते हुए एएसआई राकेश यादव एवं वाहन ड्राइवर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर लाइन भेज दिया है तथा मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सौंप दी है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक का कहना है कि प्रारंभिक कार्रवाई कर दी गई है और मामले की जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि जिला मुख्यालय सहित जिले भर के अधिकांश थानों में पुलिस कर्मचारियों का आम जनता के प्रति रवैया बहुत ही सख्त होता जा रहा है, जबकि गुंडे बदमाश पर इनके द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जाती। शहर में आए दिन लूट चोरी की घटनाएं विभिन्न थाना क्षेत्र में हो रही है, पर पुलिस कर्मचारी अवैध वसूली में जुटे हुए हैं और सुबह से शाम तक इस जुगत में लगे रहते हैं कि कोई मुर्गा फस जाए और उसे हलाल कर दिया जाए। थानों में फरियादियों की रिपोर्ट बिना भेंट पूजा के नहीं लिखी जाती है और फरियादी से अपराधी जैसा व्यवहार थानों में किया जा रहा है, लेकिन गरीब जनता की सुनने के लिए अधिकारी उपलब्ध नहीं है।

जलविहार के लिए शहर भर की गलियों से होकर गुजरे ठाकुर जी

अंबाह। समूची सृष्टि के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण बृहम सत्ता के संचालन को छोड कर कुछ समय के लिए शहर में जल विहार के लिए निकले। बुधवार शाम को ठाकुर जी ने राधा रानी के साथ प्राचीन तालाब के जल में विहार किया। बाद में ठाकुर जी अपने मंदिर में फिर से विराजमान हो गए। मौका था जल झूलनी एकादशी का आयोजन में किला बस्ती स्थित प्राचीन श्रीराधा कृष्ण मंदिर से भगवान श्रीकृष्ण तथा राधा रानी के विग्रहों को जल विहार के लिए लाया गया। इससे पहले बाजार में ठाकुर जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसका जगह-जगह श्रद्धालुओं ने आरती उतार कर स्वागत किया, बाद में परम्परा के मुताबिक पवित्र जल में विहार किया गया। इससे पूर्व मौजूद भक्त जनों द्वारा ठाकुर जी के विग्रहों की आरती उतारी गई तथा श्रद्धालुओं ने मनौतियां भी मांगी। मंदिर के महंत पण्डित हरिचरण शर्मा ने बताया कि पवित्र जल में जल झूलनी एकादशी के दिन ठाकुर जी के जल विहार की परम्परा काफी प्राचीन है। इसी क्रम में यह आयोजन किया गया है। इस मौके पर महाआरती तथा प्रसाद वितरण के कार्यक्रम भी संपन्न हुए।

कलेक्टर के खिलाफ छठवे दिन भी धरना जारी, 5 अगस्त से चल रहा है विरोध प्रदर्शन

मुरैना। कलेक्टर बी कार्तिकेयन को मुरैना से हटाने की मांग को लेकर शहीद संग्रहालय के बाहर 6 दिन से पत्रकारों का धरना प्रदर्शन जारी है जबकि इस आंदोलन को 1 माह से अधिक समय हो गया है बावजूद इसके सरकार की नींद नहीं टूट रही है, हालांकि सरकार यह कह कर बच भी नहीं सकती कि मामला संज्ञान में नहीं है क्योंकि मुरैना जिले के पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को प्रत्यक्ष रूप से अपना ज्ञापन सौंपकर विरोध प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर की हठधर्मिता अकर्मण्यता और जनता के प्रति गैर जिम्मेदाराना रवैया से अवगत करा दिया था। यही नहीं इस संबंध में समस्त जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिया गया था। इन जनप्रतिनिधियों ने भी अपने अपने माध्यम से मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री द्वय नरेंद्र सिंह तोमर एवं ज्योतिरादित्य सिंधिया अवगत कराकर जिले में अस्सक्षम जिलाधीश के पदस्थ होने के कारण जनता को ना तो सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है और ना ही मजदूर किसान और पीड़ित को भ्रष्टाचारियों के चंगुल से मुक्ति मिल रही है। यही नहीं जो भी पीड़ित कलेक्टर के यहां फरियाद लगाने जाता है तो कलेक्टर उससे मिलना भी जरूरी नहीं समझते बल्कि सफेद पौसों को महत्व देकर अपनी नौकरी पकाने में मशगूल रहते हैं। इन्हीं हालातों से जिले की जनता को मुक्त कराने एवं उनके हक और अधिकार दिलाने के लिए पत्रकारों का कलेक्टर को मुरैना जिले से हटाकर तत्काल जनता के प्रति जवाबदेह अधिकारी की पदस्थापन की मांग को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन जारी है और यह तब तक रहेगा जब तक बी कार्थिकेयन कलेक्टर मुरैना को यहां से हटाया नहीं जाता।

5 सूत्रीय मांगों को लेकर बनाई जाएगी रणनीति

मुरैना जिले में पत्रकारों के आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से चलाने के साथ-साथ पत्रकारों के हक और अधिकार की लड़ाई के लिए जो आंदोलन पिछले 34 दिन से जारी है, उसमें विभिन्न मांगों के लिए जल्दी रणनीति तैयार की जाएगी ताकि पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं का समाधान हो सके।

बेमिशाल शायर और मंजे हुए राजनेता हैं इमरान प्रतापगढ़ी

सच्ची निष्ठा, आत्मीय लगन और कड़ी मेहनत ने पहुंचाया शीर्ष मुकाम पर

- आशीर्वाद दीक्षित -

मुरैना। देश के मशहूर शायर और कुशल राजनेता इमरान प्रतापगढी का नाम आज देश मे किसी परिचय का मोहताज नहीं है। छोटी सी उम्र में बड़ी-बड़ी कामयाबियां हासिल करने वाले श्री प्रतापगढी आज हिंदुस्तानी राजनीति और शायरों की दुनिया में चांद की मानिंद शीतलता बिखेर रहे हैं। सहज, सरल और मृदुभाषी स्वभाव के धनी इमरान प्रताप गढ़ी अपने चहेतों के साथ साथ हर दिल अजीज बन चुके हैं।

यहां बतादें कि इमरान प्रतापगढ़ी का जन्म मोहम्मद इमरान खान के रूप में मोहम्मद इलियास खान के घर 6 अगस्त 1987 को प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश में हुआ था। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी कर हिंदी में कविता लिखी और कवि सम्मेलनों एवं काव्य संगोष्ठियों में भाग लेने लगे। उन्होंने 2008 में मुशायरों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और उनकी नज़्म मदरसा लोकप्रिय हो गई। मदरसा के अलावा अन्य रचनाओं में उनके द्वारा लिखी गई। 100 से अधिक नज़्मों में से फिलिस्तीन, नजीब और उमर शामिल हैं, जिन्हें खूब ख्याति हासिल हुई। अब बात राजनीति की करें तो शायर इमरान प्रतापगढी भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के कड़े आलोचक रहे हैं। कांग्रेसी विचारधारा से प्रभावित हो कर श्री प्रतापगढ़ी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए और 2019 में मुरादाबाद से आम चुनाव लड़ा, जहां वह समाजवादी पार्टी के एस टी हसन से हार गए। लेकिन राजनीति में शिखर तक पहुंचने एवं सच्ची जनसेवा को लक्ष्य बना कर वे अब जन-जन के बीच अपनी खासी जगह बनाये हुए हैं। शायर प्रतापगढ़ी को 3 जून 2021 को एआईसीसी अल्पसंख्यक विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जून 2022 में श्री प्रतापगढ़ी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नामांकन पर महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए चुने गए। खास बात यह रही कि वर्ष 2016 के उत्तरप्रदेश सरकार के सर्वोच्च पुरुस्कार यश भारती से भी प्रतापगढ़ी को नवाजा गया। यूं तो उन्हें कई मंचों पर आत्मीय सम्मान से नवाजा गया लेकिन वे सदैव जन जन के बीच ही बने रहे। परिणाम यह है कि आज वह एक शायर के रूप में न सिर्फ हर दिल अजीज इंसान बन चुके हैं बल्कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भी अपनी अहम जगह बनाये हुए हैं। माना जा रहा निकट भविष्य में वह राजनीतिक क्षितिज में एक बेमिसाल सितारे की मानिंद उभरेंगे। जाति, धर्म और साम्प्रदायिकता को परे रख कर वे सिर्फ इंसानियत और सच्ची मानव सेवा को ही अहमियत देते हैं। उम्मीद की जा रही है कि सच्ची जनसेवा के लिए जन्मे शायर इमरान प्रतापगढ़ी यूं ही सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिध्दांत पर ता उम्र चलते रहेंगे।

श्यामपुर खुर्द आंगनबाड़ी केंद्र पर आयोजित किया गया गोद भराई कार्यक्रम

अंबाह। महिला बाल विकास विभाग अंबाह के तहत आंगनवाड़ी केंद्र श्याम पुर खुर्द पर मातृ पोषण स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से बुधवार को गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म आयोजित की गई। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को पोषण की थाली भी दी गई जिसमें गुड़, चना, सहजन, हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, आयरन की गोलियां आदि शामिल रही कार्यक्रम में गर्भावस्था के दौरान प्रथम त्रैमास में चिन्हित महिलाओं को आंगनवाड़ी केंद्र पर एकत्रित किया गया। इस दौरान महिला बाल विकास अधिकारी अजय प्रताप सिंह एवं सेक्टर प्रभारी ममता जैन ने कहा कि सरकार बेहतर पोषण के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को संचालित करती है। इसके तहत इस बार 1 सितंबर से 30 सितंबर तक पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है प्रत्येक माह आंगनबाड़ी केंद्रों पर सात से नौ महीने की गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराई जायेगी। गोदभराई दिवस मनाने को लेकर विभाग का उद्देश्य महिलाओं में पोषण को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। क्योंकि गर्भावस्था में महिलाओं को खान-पान द्वारा अपना व अपने गर्भस्थ बच्चे का भी ध्यान रखना है। गर्भावस्था में प्रतिदिन हरी साग-सब्जी, मूंग का दाल, सतरंगी फल, सूखे मेवे एवं दूध, सत्ताह में दो से तीन बार अंडे, मांस, महिलाओं को भोजन में लेने चाहिए।

अपमिश्रित दूध बेचने वाले आरोपियों को 01-01 वर्ष का सश्रम कारावास व अर्थदण्ड

मुरैना। न्यायालय श्रीमान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, जिला मुरैना के न्यायालय द्वारा आरोपी हरिशंकर शर्मा पुत्र विशम्भर शर्मा, उम्र 38 वर्ष व आरोपी रामसहाय शर्मा पुत्र श्री विशम्भर शर्मा, उम्र 48 वर्ष, निवासीगण ग्राम पिड़ावली थाना सिविल लाईन जिला मुरैना को खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 की धारा 7/16 में दोषी पाते हुये 01-01 वर्ष के सश्रम कारावास व 3-3 हजार रूपये (कुल 6,000 रूपए) के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियोजन अधिकारी/मीडिया सेल प्रभारी श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि खाद्य निरीक्षक ज्योति बंसल 08 अगस्त 2009 को दोपहर 02:40 बजे पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित रामसहाय दुग्ध डेयरी पर निरीक्षण व नमूना कार्य हेतु अपने साथी खाद्य निरीक्षकों की टीम के साथ उपस्थित हुई और वहां पर उपस्थित व्यक्ति को अपने पद व परिचय से अवगत कराते हुये निरीक्षण कर नमूना लेने के अभिप्राय से अवगत कराया। वहां पर उपस्थित व्यक्ति ने अपना नाम हरिशंकर शर्मा पुत्र विशम्भर शर्मा बताया तथा स्वयं को डेयरी के मालिक रामसहाय शर्मा का भाई तथा उस डेयरी का प्रभारी होना बताया। खाद्य निरीक्षक ज्योति बंसल ने हरिशंकर से वर्ष 2009-10 का पीएफए एक्ट-1954 का लाईसेंस मांगा, जो उन्होंने मौके पर नहीं दिखाया। उसके बाद खाद्य निरीक्षक ने परिसर का निरीक्षण किया तथा परिसर में दूध, यूरिया, डिटर्जेंट, ग्लेकोज पाउडर और अन्य संदिग्ध रसायन रखे हुये पाये। मिलावट की शंका होने पर उसने परिसर में एक टंकी में रखे हुये दूध को समरस किया तथा एक नोटिस हरिशंकर को देते हुये नमूना लेने की इच्छा जाहिर की तथा 1500 एम.एल. दूध को गवाहों के समक्ष विधिवत जप्त कर लोक विश्लेषक हेतु भेजा गया, लोक विश्लेषक की जांच रिपोर्ट में उक्त दूध का नमूना अपमिश्रित होना पाया गया। बाद जांच भोपाल को जांच अभियुक्तगण के विरूद्ध अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर आरोपीगण को दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्रीमती नीतू प्रजापति, सहा. जिला लोक अभियोजन अधिकारी, जिला मुरैना द्वारा की गई।

मारपीट करने वाले आरोपीगण को न्यायालय ने किया दण्डित

मुरैना। न्यायालय श्रीमान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, तहसील अंबाह, जिला मुरैना के न्यायालय द्वारा आरोपी सुनील पुत्र रामविलास तोमर, राजू पुत्र रघुनाथ तोमर, अनिल पुत्र रघुनाथ तोमर व आरोपी रामजीत पुत्र रामविलास तोमर समस्त निवासीगण नहर का पुरा थाना पोरसा जिला मुरैना को धारा 324, 323/34 सश्रम कारावास व अर्थदण्ड से से दण्डित किया गया। अभियोजन अधिकारी/मीडिया सेल प्रभारी श्रीमती रश्मि अग्रवाल ने बताया कि घटना इस प्रकार है कि 29 अगस्त 2016 को समय करीबन शाम 05 बजे फरियादी गजेन्द्र के खेत आरोपी सुनील की भैंस उसके बाजरा के खेत में आ गई, फरियादी ने रोका तो आरोपी सुनील तोमर, राजू, अनिल तोमर व रामजीत फर्सा, डण्डा व कुल्हाडी लिये आ गये और फरियादी को गंदी-गंदी गालियां देने लगे।

आवासहीनों के आवास नहीं उजाड़े जाएं, उन्हें पट्टे और आवास स्वीकृत किए जाएं

कैलारस। नगरीय क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 7 झरना वाले हनुमान की बस्ती को नहीं उजाड़ा जाए। उन्हें पट्टाधृति अधिकारों का प्रदाय किया जाना अधिनियम 2013 जो बाद में वर्ष 2019 में भी जारी किया गया है के अनुरूप आवास के पट्टे और आवास स्वीकृत किए जाएं। इस तरह का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम और कलेक्टर के नाम तहसीलदार के कैलारस को दिया गया। वाटर प्लांट के लिए जो भूमि अधिग्रहित की है वह अतिक्रमण हटाकर कब्जाई जा चुकी है। अब शेष बचे एक सैकड़ा से ज्यादा आवासहीनों को जो शासकीय भूमि पर गत 15 वर्षों से रह रहे हैं। सर्वे कराकर पट्टे और आवास दिए जाए। यह मांग आंदोलनकारियों के बीच में बोलते हुए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव मंडल सदस्य पूर्व नपा अध्यक्ष अशोक तिवारी ने की। इस दौरान माकपा जिला सचिव महेश प्रजापति नगर सचिव राजेश गुप्ता पूर्व पार्षद इब्राहिम शाह ने भी संबोधित किया। ज्ञापन देने आए नागरिकों में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल थे। आगामी कदम के रूप में 19 सितंबर को आमसभा आयोजित करने का भी विनिश्चय ज्ञापन देने के समय किया गया है। इस संबंध में ज्ञापन मुख्यमंत्री निवास पर भी दिया जा चुका है। आगामी दिनों में सत्याग्रह और प्रदर्शन का भी आयोजन किए जाने का निश्चय किया गया है।

शक्कर कारखाना बचाओ आंदोलन जीत की ओर अग्रसर कारखाने को सहकारिता के क्षेत्र में ही चलाया जाए

कैलारस। शक्कर कारखाना बचाओ आंदोलन के आठ चरण पूरे हो चुके हैं, 9 वें चरण की तैयारी है। शक्कर कारखाना बचाओ आंदोलन जिसमें जिले के सभी विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता गण और आमजन शामिल है के द्वारा शक्कर कारखाने के गन्ना किसानों का बकाया भुगतान करने, कर्मचारी किसानों का बकाया भुगतान करने, शक्कर कारखाने को सहकारिता के क्षेत्र में चलाने के लिए जोरदार आंदोलन की शुरुआत की है। इस आंदोलन का नामकरण शक्कर कारखाना बचाओ आंदोलन किया गया है। सबसे पहले आंदोलन के चलते शक्कर कारखाने से संबंधित स्क्रैप मैटेरियल की नीलामी निरस्त की गई। यह आंदोलन की एक महत्वपूर्ण जीत है। अभी हाल ही में सहकारिता के आयुक्त ब्रजकिशोर शुक्ला ने सहकारिता मंत्री गोपाल भार्गव को पत्र भेजकर यह उल्लेख किया है कि कारखाने को चलाने की कार्यवाही सरकार के स्तर पर प्रचलित है। यह किसान आंदोलन की दूसरी और महत्वपूर्ण जीत है। हालांकि अभी जिन कर्मचारियों का न्यायालय से भुगतान का आदेश हुआ है। उनका भुगतान भी शुरू हो गया है परंतु आंदोलन की मांग है कि सभी कर्मचारियों का संपूर्ण बकाया भुगतान किया जाए। आंदोलन के महत्वपूर्ण घटक माकपा के वरिष्ठ नेता पूर्व नपाध्यक्ष अशोक तिवारी ने इसे क्षेत्र की जनता की जीत बताया है। लेकिन साथ ही उन्होंने कारखाने को जनता के नियंत्रण में ही सहकारिता के क्षेत्र में चलाने की मांग दोहराई है। इस आंदोलन के सभी महत्वपूर्ण नेतागण महेश दत्त मिश्र पूर्व विधायक, बैजनाथ कुशवाह विधायक सबलगढ़, किसान नेता गयाराम सिंह धाकड़, बृजमोहन मरैया, महेश प्रजापति माकपा, भानु प्रताप सिंह चिंटू, मानवेंद्र सिंह गांधी, विष्णु अग्रवाल, पंकज उपाध्याय, राजकुमार सिंघल सोनाराम कुशवाह पूर्व विधायक, नंदलाल खरे, संजय यादव, गौतम बुद्ध, डॉ हरी सिंह शाक्य, राजेश गुप्ता पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष, राजवीर सिंह धाकड़ छात्र नेता, ओमप्रकाश श्रीवास, ओम प्रकाश शर्मा पूर्व सरपंच, डॉक्टर शरीफ कुरैशी, गौतम बुद्ध आदि ने आंदोलन के दबाव में सरकार द्वारा स्क्रैप की बोली निरस्त करने और कारखाने को चलाने की कार्रवाई आगे बढ़ाने को तथा आंशिक भुगतान करने की कार्यवाही को आंदोलन की जीत बताया है।

‘कुछ तो लोग कहेंगे’

अर्शदीप सिंह आप किशोर कुमार की गाई इन पंक्तियों को जीवन में उतार लो।

कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना छोड़ो बेकार की बातों में कहीं छूट न जाए करियर का दामन। सिर्फ़ अपने काम पर फोकस कीजिए। दर्शक स्वार्थी है, उनको हर बार जीत का जश्न ही चाहिए, हार पचाने के आदी नहीं। खेल में कोई एक टीम तो हारेगी ही। और हार या जीत किसी एक खिलाड़ी की जिम्मेदारी नहीं होती, पूरी टीम के सर होती है। माना अर्शदीप से कैच छूट गया, पर क्या बल्लेबाजों की गलती नहीं? 200 के उपर रन फ़टकारते तो पाकिस्तान में दम नहीं जीत सकता।

पर आजकल खेल को खेल नहीं, आपसी दुश्मनी या भड़ास के तौर पर देखा जाने लगा है। कोई भी खेल हो खेलदिली से खेलना चाहिए, एक तंदुरुस्त स्पर्धा होनी चाहिए।

पर पिछले रविवार जो भारत पाकिस्तान मैच के दौरान हुआ, वो ऐसा लग रहा है जैसे सरहद पर जंग छिड़ी हो। क्या क्रिकेट के इतिहास में आज तक किसी खिलाड़ी के हाथों कोई कैच छूटा ही नहीं? जो युवा खिलाड़ी अर्शदीप को इतना ट्रोल किया जा रहा है? शायद ये मैच भारत बनाम पाकिस्तान था इसलिए लोगों का इतना गुस्सा फूट पड़ा। अगर किसी दूसरे देश के साथ होता तो अर्शदीप का कैच ड्रॉप करना किसीकी नज़र में नहीं आता।

अर्शदीप सिंह के कैच ड्रॉप करने पर गुस्सा समझ में आता है। मगर उस एक कैच के लिए उसे विलेन बताना, ज़लील करना, यहाँ तक की खालिस्तानी करार देना कहीं से भी जायज़ नहीं है। खिलाड़ी वैसे भी कैच ड्रॉप करने की गलती के लिए पहले ही अपसेट होता है। ऊपर से इस तरह की चर्चाएँ उसे मानसिक रूप से और तोड़ सकती हैं।

भारत को पाकिस्तान के खिलाफ 5 विकेट की हार का सामना करना पड़ा

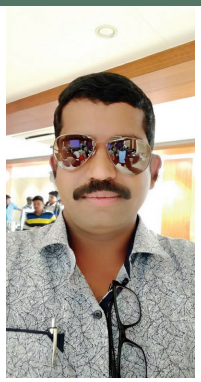

इस मैच में अहम मौके पर अर्शदीप सिंह से एक कैच ड्रॉप हो गया, जिसके बाद गुस्से में लोग युवा तेज गेंदबाज को सोशल मीडिया पर जलील करने लगे।

जो समाज अपने सितारों के बुरे समय में उनके साथ खड़ा नहीं होता, हौसला नहीं दे पाता उसे उनके अच्छे वक्त में या सही पर्फामेन्स पर जश्न मनाने का भी कोई हक नहीं बनता।

क्रिकेट में बड़े-बड़े खिलाड़ियों से ऐसी चूक होती रहती है। आज हम अर्शदीप की ड्रॉप कैच पर खफा है, लेकिन सिडनी टेस्ट के आखिरी दिन टिम पेन के 3 ड्रॉप कैच की वजह से ही भारत वो मैच बचा पाया था। तब किसी ने शिकायत नहीं कि या ये कहकर भारतीय बल्लेबाज़ों के कारनामे को कम नहीं किया कि अगर पेन ने पंत और हनुमा विहारी के कैच न छोड़े होते तो भारत मैच हार भी सकता था।

ऐसे ही फूटबाल जैसे खेलों में महारथी भी गलती कर जाते है। रॉबर्टो बैगियो इटली के महानतम फुटबॉलर्स में से एक हैं। मगर उन जैसा खिलाड़ी भी अपनी ज़िंदगी के सबसे बड़े मैच के सबसे बड़े मौके पर चूक गया। ब्राज़ील के खिलाफ़ वर्ल्ड कप की फाइनल के शूटआउट में स्कोर बराबरी के लिए बैगियो को पेनल्टी किक से गोल मारना था। वो गोल कर देते तो स्कोर 3-3 से बराबर हो जाता। मगर वो बॉल को गोल पोस्ट से बहुत उपर मार बैठे और इटली वर्ल्ड कप का फाइनल हार गया। उस मिस पेनल्टी की चूक आज भी बैगियो को कचोटती होगी। पर खेल में कोई परिस्थिति किसीके हाथ में नहीं होती। हर खिलाड़ी अपना शत प्रतिशत देने की कोशिश करता है, क्यूँकि उनकी करियर का सवाल होता है। दर्शकों को दिल बड़ा रखना चाहिए और खिलाड़ी को ढ़ाढस बँधाना चाहिए। दर्शकों का साथ और सराहना खिलाडियों में उर्जा भरता है, और ट्रोलिंग से आत्मविश्वास में गिरावट आती है

आर,एस, रजक
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

आज टीकमगढ़ की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती किरण अहिरवार जी का जन्मदिन मनाया गया सागर संभाग की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत चंदेरा के बापू नगर मोहल्ला राधा कृष्ण मंदिर में मनाया गया

पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट
टीकमगढ़ संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

संभाग सागर की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत चंदेरा के बापू नगर मोहल्ला राधा कृष्ण मंदिर परिसर मैं टीकमगढ़ पूर्व लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती किरण अहिरवार जी का जन्मदिन मनाया गया। ग्रामीणों ने पहले श्रीमती किरण अहिरवार को फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। एवं ग्रामीणों ने जन्मदिन की बहुत सारी शुभकामनाएं भी दी। श्रीमती किरण अहिरवार ने ग्रामीणों का आभार जताया कई गांव में श्रीमती किरण अहिरवार का जन्मदिन मनाया गया।चंदेरा ग्राम के हरेंद्र भास्कर जिला महासचिव एनएसयूआई ने बताया कि हम सब ग्रामीणों ने श्रीमती किरण अहिरवार का जन्मदिन सभी ग्रामीणों ने हार्स और उल्लास के साथ मनाया गया। ग्रामीणों ने ढेर सारी बधाइयां दी। श्री दम्मू मेंबर श्री सुखराम अहिरवार श्री जग प्रसाद अहिरवार वर्तमान मेंबर वार्ड नंबर 18 से श्री हीरालाल कुशवाहा पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष कांग्रेस टीकमगढ़ हरेंद्र भास्कर महेंद्र भास्कर दीपक भास्कर अजय चौधरी एलडी चौरसिया अवधेश चौरसिया नेतराम चौधरी सोनू भास्कर कमलेश अहिरवार मनोज भास्कर प्रदीप चौरसिया रविंद्र अहिरवार अंकित अहिरवार हरिदास भास्कर आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

वार्ड नं 07 मैं राम बाग के राजा मैं आरती करने पहुची नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी जे वार्ड क्रमांक 07 से हैं जहाँ आज आरती के लिए नव निर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा जी का पहुचना हुआ रात्रि के समय की आरती मैं गणेश उत्सव पर्व पर रामबाग कॉलोनी वार्ड 07 मैं नगर पालिका अध्यक्ष आदरणीय श्रीमती गायत्री शर्मा एवं वार्ड के पार्षद श्री अरविंद ठाकुर राम बाग का राजा उत्सव समिति महाआरती में वार्डवासियों के साथ उपस्थित रहे।? राम बाग का राजा उत्सव समिति द्वारा अध्यक्ष जी का पुष्पमाला एवम ह्रदय से स्वागत वंदन अभिनंदन किया गया एवं अध्यक्ष जी द्वारा मध्यप्रदेश में वेटलिफ्टिंग में सेकंड रैंक प्राप्त करने वाली कु.भावना शर्मा पिता नवल किशोर शर्मा बिटिया को फिट एंड फास्ट फिटनेस हेल्थ क्लब, सर्किट हाउस रोड रामबाग कॉलोनी की मेंबर का गणेश उत्सव समिति में प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया गया। एवम कॉलोनी के छोटे छोटे बच्चो ने अपना डांस का प्रदर्शन प्रस्तुति दिखाई। राम बाग के राजा की आरती मैं पहुची नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि आने बाले 5 सालों तक यदि किसी भी वार्ड मैं या नगर मैं किसी भी तरह की कोई भी परेशानी आती हैं तो वह सभी वार्डवासी या नगरवासी उस परेशानी को सीधे ही आकर मुझसे मिल सकते हैं आपकी परेशानियां का समाधान करना मेरा कर्तव्य हैं और मैं अपने कर्तव्य को पूरी तरह से निभाऊगी

डेंगू लार्वा विनिस्टिकरण को लेकर एस डी एम पिछोर ने की बैठक

8 सितंबर से 15 सितम्बर तक अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करें- विजेन?द्र यादव

राकेश परिहार

पिछोर, शिबपुरी/ शिबपुरी के पिछोर में डेंगू लार्वा विनिस्टिकरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एसडीएम कार्यालय में आज बुधवार को खण?डस?तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एसडीएम विजेन?द्र सिंह यादव ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने अधीनस्थों को निर्देश दें कि लार्वा विनिस्टिकरण अभियान से सभी लोगों को जोडें एवं डेंगू से कैसे बचा जाए इसके उपायों को सभी को बताएं। ग्रामीण क्षेत्र में आशा कार्यकर्ता एवं दल के सदस्य सहयोग करते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों में डेंगू एवं लार्वा विनष्टीकरण के प्रति लोगों को जागरूक करें।

इसी क्रम में बीएमओ संजीव सांडे ने बताया कि इसके लिए 8 सितंबर से 15 सितम्बर तक लार्वा विनष्टीकरण अभियान चलाया जा रहा है, इस अभियान के तहत 8 सितम्बर को डेंगू लार्वा विनष्टीकरण रथ पिछोर में वार्ड क्रमांक 5 से प्रारंभ किया जावेगा। रथ को एसडीएम द्वारा हरी झंडी देकर रवाना किया जाएगा। इसके साथ ही नगर परिषद फॉगिंग स्प्रे कर डेंगू लार्वा को नष्ट करेंगे। बैठक में मच्छरों से बचाव एवं उत्पत्ति स्थल के उपाय बताए गए। बैठक में सीईओ पुष?पेन?द्र व्यास, राघवेन?द्र पालिया सीएमओ, पीओ आईसीडीएस, नप उपाध?यक्ष सौरव गुप्ता एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मध्यांचल ग्रामीण बैंक शाखा पिछोर द्वारा 12 लाख रुपए राशि दी गई

राकेश परिहार

पिछोर मध्यांचल ग्रामीण बैंक शाखा पिछोर द्वारा हितग्राही रामस्वरूप लोधी निवासी बड़ौरा को 10 लाख रुपए का चेक ह्युड्डइ जनरल और 2 लाख की राशि का भुगतान

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना मैं किया गया कुल 12 लाख की राशि दी गई यहां धीरज नागले शाखा प्रबंधक द्वारा सभी लोगों को समझाया गया और बताया गया रहा कि हमारे यहां जिस कस्टमर खाते से ?500 वार्षिक एसबीआई जनरल करता है तो उसको 1000000 रुपए का एक्सीडेंटल बीमा रहता है अगर किसी के द्वारा 1000 रुपए वार्षिक किए जाते हैं तो उसका 2000000 रुपए का एक्सीडेंटल बीमा रहता है और इसी तरह प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा जो ?20 वार्षिक रहता है प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा जो ?436 वार्षिक रहता है इस मौके पर उपस्थित बृजेंद्र सिंह यादव एसडीम पिछोर, धीरज नागले शाखा प्रबंधक, सचिन पुराणिक एसबीआई जनरल, अनुश्री गुप्ता सहायक प्रबंधक, संतोष सोनी केशियर एवं समस्त बैंक स्टॉप और नागरिक उपस्थित रहे

दबोह में कांग्रेस पार्टी ने निकाली भारत जोड़ो यात्रा,महंगाई को लेकर मोदी के खिलाफ जमकर की नारेवाजी

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- देश में बढ़ती बेरोज़गारी,महंगाई को लेकर समूचे देश में राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है।जिसमें मध्यप्रदेश के भारत जोड़ो यात्रा के प्रभारी नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविन्द सिंह के निर्देशन में बुधवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा समूचे दबोह नगर में भारत जोड़ो पद यात्रा निकाली गई।जिसमें कांग्रेस पार्टी के समस्त कांग्रेसजनों ने देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।इस मौके पर प्रदेश महामंत्री शिवनारायण दुबे बल्लू वकील एवं नगर पंचायत उपाध्यक्ष हाकिम सिंह चोधरी ने कहा देश में चारो तरह मेहगाई को लेकर अहाकार मचा हुआ।मोदी जी के तीन भाई मोदी, बेरोजगारी और महंगाई जिससे देश में संकट छाया हुआ है।इसलिए हमारे नेता राहुल गांधी जी तीन हजार

पांच सौ किलो मीटर भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे है।जिसको दबोह में दो दिवसीय पद यात्रा निकाली जा रही है।जिसको लेकर 08 सितम्बर सुबह 08 बजे से कांग्रेस कार्यालय दबोह से अमाहा तक कांग्रेस पार्टी भारत जोड़ो पदयात्रा निकालेगी।भिंड जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष डॉ.ओपी सिंह कौरव और राजा भैया पाल ने कहा जो गैस सिलेंडर लेकर कांग्रेस सरकार ने 400 रुपए का था वो आज 1050 का हो चुका है और खाद पदार्थो पर मोदी ने गब्बर सिंह टैक्स लगा दिया है।इसी क्रम में पार्टी का संचालन नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रूपनारायण खटीक ने किया।इस मौके पर लहार जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष रामेश्वर दयाल कौरव,नगर पंचायत प्रतनिधि नरेंद्र दुधरिया,जगमोहन तेहरिया,आदि लोगो ने संबोधित किया ।इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र खेमरिया,पूर्व पार्षद शेरे पठान,पार्षद दुर्गा प्रसाद राठौर,पार्षद सुधीर तिवारी,पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष रफीक खान,पूर्व पार्षद सनाउल्ला खान,कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शेर सिंह कौरव,युवक कांग्रेस नेता कप्तान सिंह कौरव,पार्षद दिनेश कौरव,पार्षद मेहताब दोहरे,महामंत्री प्रदीप चौधरी, कांग्रेस नेता मुनेश राठौर,फ़रियाद खान आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भोपाल में तकनीकी अतिथि व्याख्याताओं का आंदोलन राज्यपाल और मंत्री जी से मिला डेलिगेशन

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

भोपाल- संघ के सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग के पॉलीटेक्निक एवं इंजीनियरिंग अतिथि व्याख्याताओं ने भोपाल के चिनार पार्क में धरना प्रदर्शन का आयोजन किया। तथ्य यह है कि लंबित विभागीय प्रक्रिया के कारण फिक्स मानदेय कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं संबंधी कोई भी आदेश आज दिनांक तक जारी नहीं हुआ है। कार्यरत अतिथि व्याख्याता,ढ्ढष्टश्व नियमानुसार योग्यता और अनुभव रखते हुए विगत 18 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत होकर, पारदर्शी विभागीय प्रक्रिया द्वारा चयनित 946 अतिथि व्याख्याताओं के लिए 27 जनवरी 2022 को एकमुश्त वेतनमान प्रतिमाह रू 30000/- देने आदेश जारी किया गया था। किंतु विभाग की उदासीन और गैर मानवीय प्रशासनिक क्षमता के कारण अतिथि व्याख्याताओं का शोषण कई वर्षो से किया जा रहा है।

विभागीय मंत्री द्वारा 3 दिन में कार्यवाही का मिला आश्वासन धरना प्रदर्शन के दौरान प्रदेश में वर्षा व मौसम की विपरीत परिस्थितियां होने बाद

भी काफी अतिथि व्याख्याता उपस्थित हुए प्रशासन की अनुमति से राजभवन पहुंचकर महामहिम राज्यपाल जी की अस्वस्थता के चलते उनके निज सहायक को ज्ञापन दिया और उसके बाद 45 बंगले पर स्थित विभागीय मंत्री जी के निज सहायक को ज्ञापन दिया जिसमे विभागीय मंत्री जी की तरफ से 3 दिन में कार्यवाही का आश्वासन मिला।

वर्तमान में उदासीन विभागीय प्रक्रिया के चलते गंभीर समस्याएं निराकरण हेतु निम्न है।

कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं के हित में वित्त विभाग द्वारा फिक्स 30 हजार मानदेय दिए जाने हेतु प्रस्तुत सहमति एवं अनुसंसा अनुसार आदेश जारी किया जावे।

विभाग द्वारा कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं को वर्तमान सत्र में फिक्स मानदेय संबंधी स्पष्ट आदेश न जारी करने से प्राचार्यो में असमाजस की स्थिति बनी हुई है जिससे अतिथि व्याख्याताओं को नियुक्ति नहीं मिल पाने से छात्रों की पढ़ाई के साथ अतिथि व्याख्याताओं को आर्थिक नुकसान हो रहा है। अतः समस्या का निराकरण किया जावे।

संचालनालय द्वारा जारी आदेश 06.06.2022 के माध्यम से कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने हेतु संस्था प्राचार्यो द्वारा विभाग को दी जा चुकी होगी अतः पोर्टल चालू कर डाटा को सार्वजनिक किया जावे।

शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज टीकमगढ़ में पूर्व से कार्यरत अतिथि व्याख्याता संजय कुमार रजक और विकास कुमार साहू को नियुक्ति देकर समस्या का जल्द निराकरण किया जावे।

संघ के प्रदेश महासचिव देवीदीन अहिरवार ने कहा कि यदि तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा जल्द ही मांगो को पूरा कर आदेश जारी नहीं किया गया तो भविष्य में संघ द्वारा धरना प्रदर्शन, आंदोलन एवं कलमबंद अभियान जैसी गतिविधियां आयोजित की जावेगी। जिसका उत्तरदायित्व शासन एवं प्रशासन का होगा।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष श्री अजय सिंह यादव के नेतृत्व में कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा के समर्थन में

पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट
टीकमगढ़ संवाददाता सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़* जिले की खरगापुर विधानसभा में कल 7 सितंबर 2022 को खरगापुर जिला टीकमगढ़ में बैठक का आयोजन किया गया श्री अजय सिंह यादव

ने सम्बोधित करते हुए बताया की देश में एकता, अखंडता एवं भाई चारे के लिए यह यात्रा निकाली जा रही है 2023 में श्री कमलनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश एवं 2024 मे केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनाना तय है बैठक में श्री हैरान चौधरी महामंत्री पिछड़ा वर्ग कांग्रेस,श्री नरेंद्र जोशी ब्लॉक अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस,श्री भगवान दास यादव पूर्व सरपंच,श्री देवेंद्र यादव, श्री आलम यादव,श्री गोकल अहिरवार श्री भगीरथ यादव गोरा, श्री बली मोहम्मद देरी,श्री शिवम असाटी, श्री महेश यादव भानपुरा श्री देवी सिंह कर्ण,श्री कृपाराम यादव, अरविन्द जैन लालू,श्री पुनाराम तिवारी, डब्बू नेताजी,रोहित यादव, प्रिन्स भारती, राहुल यादव, विनय विश्वकर्मा,प्रेमनारायण यादव खरो, लखन यादव, छोटे यादव देवपुर,महेंद्र विश्वकर्मा फुटेर एवं अन्य विशिष्टजन, कार्यकर्ता उपस्थित रहें.

गुरू के मार्गदर्शन से मिलती है सफलता-शोभा सिकरवार

पहुंचने में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है।आज जो भी मिला शिक्षकों के प्रयास से मिला इस अवसर पर अन्य अतिथियों ने अपने विचार रखते हुए बताया कि आज उनके पास जो भी कुछ है वह शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के कारण ही है।अगर शिक्षिकों का मार्ग दर्शन नहीं होता तो वह इस स्थान पर नहीं होते।नृत्य अमृत महोत्सव में बच्चों ने बांधा समा

इस अवसर पर बच्चों द्वारा नृत्य अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में सावन के गीतों पर अपनी प्रस्तुती देकर समा बांध दिया।बच्चों की प्रस्तुति पर कार्यक्रम में मौजूद हर कोई झूमने पर मजबूर हो गया।

यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में संस्था के संगठन मंत्री ऋषि जैन,अध्यक्ष श्रीमती हेमलता राव,सचिव पूर्णिमा अग्रवाल,कोषाध्यक्ष कंचन राव,अभिषेक मिश्रा,प्रिया,ग्वालियर व्यापार मेला के व्यापारी संघ अध्यक्ष महेंद्र भदकारिया,उपाध्यक्ष कल्ही पंडित,उपाध्यक्ष अनुज गुर्जर,उपाध्यक्ष अचलेश्वर न्यास आदि मौजूद थी।

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-गुरू के मार्गदर्शन से हम सफल होते है और गुरू ही हमे अज्ञानता से ज्ञान की और ले जाते है।यह बात कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन ग्वालियर द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस समारोह व नृत्य अमृत महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि रही महापौर ग्वालियर शोभा सिकरवार ने कही।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता मुन्ना लाल गोयल,पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता एवं अशोक शर्मा उपस्थित रहे।उन्होंने कहा कि शिक्षक ही हमें पत्थर से पारस बनाता है और हमें एक सही दिशा में

अम्बाह एसडीएम राजीव समाधिया जी की कार्य प्रणाली का जनता पर असर भू राजस्व सहित शिक्षा पर उनकी पैनी नजर

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह... अधिकारी आम तौर पर अपने अपने बिभाग से जुडे काम करते हुये उच्चाधिकारियो को प्रवावित करने का प्रयास करते है लेकिन कुछ अधिकारी ऐसे भी होते है जो प्राथमिकताओ के आधार पर कार्यो को करते हुये जनम मानष के पटल पर अपनी अमिट छाप छोड देते है ऐसा ही नाम है अम्बाह एसडीएम राजीव समाधिया अम्बाह डिबीजन व अम्बाह पोरसा बिकाश खण्ड के तेजतर्रार एसडीएम राजीब समाधिया श्री समाधिया जी की कार्यप्रणाली की हर तरफ प्रसंसा होरही है दरअसल उनकी कार्य प्रणाली को लेकर जनता में संतौष नजर आता है आम तौर पर एसडीएम के जिम्मे मुख्य रूप से राजस्व से लेकर भूमि आदि के काम होते है लेकिन एसडीएम श्री समाधिया शिक्षा और बिशेष रूप से नौनिहालो के भबिष्य को लेकर खासे सक्रिय नजर आते रहे है इसी का नतीजा है कि आँगनबाडी में पोषण आहार का मामला हो या फिर छात्रावासो मे बिधार्थियो की सुबिधा की बात हो लगभग हर जगह एसडीएम श्री समाधिया अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुये शिक्षा से जुडे कामो को तल्लीनता से करते नजर आरहै है कहा जारहा है कि अम्बाह एसडीएम राजीव समाधिया निरंतर महत्वपूर्ण जगह पर निगाह बनाते हुये शासन की मंशानुरूप कार्य करने का हर संम्भव प्रयास कर रहै है!

आँगनबाडी में बच्चो की संख्या में बृध्दि भी है मुख्य लक्ष्य

बताया जारहा है कि एसडीएम श्री समाधिया आँगनबाडियो का लगातार निरीक्षण करते जारहै है जहाँ जो कमिया मिल रही है उनके निदान के लिये निर्देश भी देरहै है बडी बात यह है कि आँगन बाडियो में बच्चो की संख्या बढाने के सम्बध में मौखिक तौर पर कहा जारहा है ताकि अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा से जुडते हुये शासन की योजनाओ का लाभ उठा सके!

निगरानी हुई तेज

आँगनबाडियो में मिलने बाले पोषण आहार को लेकर एसडीएम ने निगरानी तेज कर दी है एसडीएम का कहना है कि नौनिहालो को बेहतर पोषण मिल पायेगा तो कुपोषण का दंश हमेशा हमेशा के लिये मिट सकेगा वही बिधार्थियो में बिधालयो के प्रति भी सकारात्मक भावना उत्पन्न होसकेगी एसडीएम ने पिछले दिनो आँगनबाडियो के निरीक्षण के दौरान पोषण आहार देने मे लापरबाही न करने की शख्त हिदायत जिम्मैदारो को दी थी!

ताकि होसके बच्चो का शारीरिक व मानसिक बिकाश

सूत्रो की माने तो एसडीएम श्री समाधिया ने बच्चो के शारीरिक व मानसिक बिकाश में सहायक बिटामिन की टेबलेट भी बच्चो को मुहैया कराने के निर्देश दिये है ये टेबलेट शासन स्थर से आती है अधिकारियो का कहना है कि लगातार पोषण आहार से लेकर पोषक बिटामिन तक की व्यबस्थाये चाँकचौबन्ध की जारही है ताकि बच्चो को हर स्तर पर लाभान्वित किया जा सके।

गणेश उत्सव में अन्नदान एवं शिक्षण साम्रगी का किया वितरित

पुष्पांजली टुडे

बैंगलुरू-गणेशा बॉय कामाक्षी पाल्या द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं अरुण सोमण ने भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री का वितरित किया गया ।

गणेश उत्सव में जा रहे सात वर्षीय बच्चे को बिजली के खंभे से लगा करंट, मौत

भोपाल। नेहरू नगर के वार्ड 29 के कार्यालय के पीछे पार्क के पास में गणेश उत्सव में शामिल होने जा रहे एक सात वर्षीय बालक को बिजली के खंभे से करंट लग गया।आसपास के लोगों ने उस बेसुध देखा तो उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। रहवासियों का कहना है कि बिजली के खंभे के अर्थिंग वाले तार में कई दिनों से करंट आ रहा था। शिकायत करने के बाद भी बिजली विभाग के कर्मचारियों ने सुनवाई नहीं की। घटना की जानकारी लगते ही पूर्व पार्षद समेत कई लोग मृतक बच्चे के घर पहुंच गए। जानकारी के मुताबिक नेहरू नगर वार्ड कार्यालय के पास रहने वाला सात वर्षीय मोहित कुमार चौथी कक्षा का छात्र था। वह अपने मां और पिता के साथ रहता था। उसके पिता निजी काम करते हैं। मोहित अपने मां और पिता की इकलौता बेटा था। पूर्व पार्षद संतोष कंसाना ने बताया कि वार्ड कार्यालय के पीछे पार्क के पास मोहल्ले के बच्चों ने गणेश उत्सव रखा था। इसके लिए गणेश मूर्ति की स्थापना की गई थी। उसमें मोहित रात में घर से पार्क से निकलकर झांकी के लिए निकला था। पार्क के द्वार पर बिजली का खंभा लगा हुआ है। जहां पर बच्चे ने खंभे में अर्थिंग का तार पकड़ लिया। उसमें करंट था, उसे पकड़ते ही उसे जोर का झटका लगा। उसे देखकर आसपास के लोग भी आ गए। उसे अस्पताल लेकर गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे को खोने के गम में मां का रो-रोकर बुरा हाल है। रहवासियों ने लगाया बिजली कर्मचारियों पर आरोप: रहवासी आशीष पोदार ने बताया कि लोगों ने खंभे में करंट आने की शिकायत कई बार की थी।

आईमाता की पूजा से शुरू हुआ संत रामप्रकाश का विदाई समारोह

महाआरती एवं शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम का सम्पापन हुआ

पुष्पांजली टुडे

बेंगलूरु-शहर में सीरवी समाज कर्नाटक ट्रस्ट , बलेपेट के तत्वावधान में बलेपेट स्थित सीरवी समाज भवन में चातुर्मास कर रहे जोधपुर के संत रामप्रकाश का चातुर्मास कार्यक्रम मंगलवार को पूर्ण हुआ । संत के सम्मान में आयोजित समारोह का शुभारंभ में समाज की आराध्य आईमाता की पूजा अर्चना से हुई । संत रामप्रकाश ने मीरा के चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि मीरा की भक्ति प्रभु प्राप्त करने वाली रही । वे तमाम कष्टों को सहते हुए भी परमात्मा के प्रति भक्ति में लीन रहीं और भगवान की कृपा से उनके सभी कष्ट दूर हुए । संत ने कहा कि हमें जीवन में कभी भी भक्त को निंदा और साधु को नहीं सताना चाहिए इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से संत एवं सहवर्ती मंडली का सम्मान किया गया ।उपाध्यक्ष भंवरलाल चोयल ने चातुर्मास कार्यक्रम के दौरान सहयोग के लिए सेवा संघ सांस्कृतिक समिति महिला मंडल आदि का आभार व्यक्त किया।आई माता वडेर के पूजारी अनाराम एवं धीसाराम का सम्मान किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष शोभाराम चोयल ने कहा कि संत के बताएं मार्ग का हमे अपने जीवन मे अनुसरण करना चाहिए। पूर्व अध्यक्ष पेमाराम

गेहलोत ने कहा की चातुर्मास के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को भक्ति एव साधना सिखने को मिली। एच एस आर लेवट के अध्यक्ष फाऊलाल परिहारिया ने कहा की धर्म के प्रति आस्था एवं जनजागरण की अलख जगाने के लिए चातुर्मास का आयोजन जरूरी है। सचिव नारायणलाल लचेटा ने चातुर्मास के दौरान अनुशासन एवं सहयोग के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। एवम् उस दिन परभावना उपाध्यक्ष भंवरलाल चोयल कोषाध्यक्ष सुजाराम राठौड़ की ओर से दी गई ।इस अवसर पर सह कोषाध्यक्ष लक्ष्मण राम गहलोत ,खेल मंत्री हरजीराम आगलेचा, डुंगाराम परिहार, सवाराम भायल, राजाराम पंवार, पूर्व सचिव हरजीराम गहलोत,उमेद राम गहलोत,शेषाराम भायल ,डंवराराम पंवार,अमराराम चोयल, मोतीलाल लचेटा, वालाराम काग,कमल किशोर, रूपाराम पंवार, मिश्रीलाल, गेनाराम पंवार, मालाराम आगलेचा,दलाराम सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे

अधिवक्ता परिषद मध्य भारत प्रांत जिला इकाई शिवपुरी द्वारा स्थापना दिवस मनाया गया

संवाददाता हरिओम परिहारकी रिपोर्ट

शिवपुरी। 7 सितंबर 1992 को परम श्रद्धेय गुरु जी दत्तोपंत ठेंगड़ी जी द्वारा अधिवक्ताओं के उन्नयन एवं सामाजिक सरोकार की भावना को प्रेरित करने के लिए अधिवक्ता परिषद की स्थापना की गई थी जोकि है आज पूरे भारतवर्ष में अधिवक्ता परिषद की स्थापना दिवस के रूप में मनाना गया है इसी परिपेक्ष में अधिवक्ता परिषद मध्य भारत प्रांत जिला इकाई द्वारा अधिवक्ता परिषद की स्थापना दिवस को मनाने के लिए जिला न्यायालय परिसर में एक संगोष्ठी की गई जिसमें उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर में शासकीय अधिवक्ता श्री राजीव उपाध्याय जी मुख्य वक्ता रहे जिन्होंने अधिवक्ता परिषद की पृष्ठभूमि एवं उद्देश्य पर विचार व्यक्त किए उनके साथ में श्री ए पी एस तोमर जी एवं पुष्पेंद्र भार्गव जी अधिवक्ता गण उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवपुरी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीशैलेन्द्र समाधिया जी द्वारा की गई कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता परिषद जिला शिवपुरी के अध्यक्ष श्री अंकुर चतुर्वेदी जी द्वारा किया गया इसी कार्यक्रम के दौरान वर्तमान अध्यक्ष श्री अंकुर चतुर्वेदी एवं महामंत्री श्री दीवान सिंह रावत जी द्वारा जिला इकाई शिवपुरी की कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें विशिष्ट आमंत्रित सदस्य के रूप में श्री स्वरूप नारायण भान वरिष्ठ एडवोकेट एवं श्री दीपक भार्गव जी वरिष्ठ अभिभाषक को नामांकित किया गया एवं परिषद का उपाध्यक्ष पद का दायित्व श्री आशीष श्रीवास्तव जी एवं श्री श्रेय शर्मा जी को सौंपी गई इसके साथ ही कोषाध्यक्ष पद का दायित्व श्री जय गोयल अधिवक्ता को दिया गया एवं कार्यालय मंत्री श्री विवेक कुमार जैन एडवोकेट ,न्याय प्रभा पत्रिका प्रभारी मंत्री श्री रीतेश निगम ,स्वाध्याय मंडल प्रभारी मंत्री श्री अंकित वर्मा ,न्याय केंद्र प्रभारी मंत्री श्री विमल धाकड़ एडवोकेट, जनसंपर्क प्रभारी मंत्री श्री गौरव बंसल एडवोकेट एवं जनसंपर्क प्रभारी मंत्री श्री प्रिंसी सोनी को दायित्व ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम उपरांत आभार व्यक्त श्री अजय गौतम जिला संयोजक विधि प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी द्वारा किया गया।

जिला एवं सत्र न्यायालय, शिवपुरी (म0प्र0) शिवपुरी से जीत हुयी हैं एंव ग्वालियर उच्च न्यायालय से भी पीत हुयी है। जबकि मनोज कुमार पुत्र नेमीचन्द्र जैन निवासी

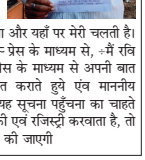

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी जिले की नरवर तहसील आने बाले कस्बे मंगरौनी वालो की कोठी शिवपुरी (म0प्र0) 9 ने बिना किसी न्यायालय के आदेश के कमरे बिना को क्षतिग्रास्त कर दिया एवं तोड़फोड़ कर दी। छुष्टक (जे0 से. बी विलडोजर मशीन) के द्वारा, और धमकी दी कि मैं किसी न्यायालय के आदेश को नही मानता और यहाँ पर मेरी चलती है। में जो चाहे, वो कर सकता हूँ अत- प्रेस के माध्यम से, -मैं रवि चौधरी पुत्र श्री नारायण चौधरी- प्रेस के माध्यम से अपनी बात शासन और प्रसासन को अवगत कराते हुये एंव माननीय न्यायालय के आदेश के अनुसार यह सुचना पहुँचना का चाहते हैं। एंव विवादित भूमि की क्रयविक्री एवं रजिस्ट्री करवाता है, तो उसके खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी

समाज के लोगो मैं राजनीतिक चेतना होना बहुत जरूरी हैं- मदन कुशवाह

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खबर शिवपुरी जिले की तहसील कोलारस से है जहाँ पर पिछले तीन बरसों से लगातार मनाते आ रहे हो लव कुश जन्मोत्सव समारोह का चल समारोह ओर शोभा यात्रा का आयोजन किया गया इस शोभा यात्रा का आयोजन हनुमान मंदिर से प्रारंभ किया गया जिसे मुख्य बाजार से होते हुए कल्याण जी गार्डन में शोभा यात्रा का समापन किया जिसके बाद सामाजिक बैठक समारोह का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर ग्रामीण के पूर्व विधायक मदन सिंह कुशवाह और ग्वालियर से पधारे अखिल भारतीय कुशवाह महा सभा के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष नरेश कुशवाह ने बताया कि जब तक समाज के युवा जब तक अपने इतिहास को नही पहचानेगे तब तक बो अपने समाज को नही जान पाएंगे कुशवाह समाज का इतिहास

चन्द्रगुप्त मौर्य से शुरू होकर आज तक चल रहा हैं इसलिए समाज का इतिहास युवाओ को जानना बहुत जरूरी हैं शिवपुरी के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मुन्ना लाल कुशवाह , पोहरी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी पूर्व मंडी उपाध्यक्ष और कुशवाह समाज के युवा नेता कैलाश कुशवाह ने बताया कि वोट ओर बेटी हमेशा समाज मैं ही देना चाहिए क्योंकि जिसकी बेटी समाज मैं नही जाती उसके परिवार की समाज मैं कोई गिनती नही रहती उसी प्रकार जिस प्रकार वोट जब तक आप समाज मै नही दोगे तब तक आपके वोट की गिनती भी नही होती अखिल भारतीय कुशवाह महासभा के जिलाध्यक्ष अवदेश कुशवाह जी ने बताया कि समाज को अगर बढ़ाना हैं तो समाज मैं शराब बंदी करना बहुत जरूरी हैं यदि समाज के लोग अपनी आमदनी का आधे से ज्यादा खर्च शराब पीने पर खर्च करते है अगर समाज के लोग जो शराब पीते हैं बो उस आमदनी का हिस्सा वह अपने बच्चों की शिक्षा मैं लगाए तभी समाज का कल्याण हो सकता हैं मुख्य अतिथि के रूप मैं आये पूर्व विधायक मदन कुशवाह ने बताया राजनीति ही हर व्यक्ति के लिए उस ताकत की चाबी। हैं जिस से ही समाज की हर परेशानी के ताले खोले जा सकते हैं समाज के हर व्यक्ति को संविधान के बारे में ज्ञान होना बहुत जरूरी हैं जब तक आप संविधान को नही पड़ोगे तब तक आप को अपने हक और अधिकारों को नही जान पयोगे और जब भी समाज कोई कार्यक्रम करे तब समाज के लोगों राजनीति के बारे में बताना बहुत जरूरी हैं समाज के मंचो से राजनीतिक लोगो के फोटो बेनर लगाना बंद करो नही तो आप बेनर पर फोटो लगाते रहोगे ओर बो राजनीतिक लोग आप की भावनाओ के साथ खेलते रहेंगे

वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए रखें अपने आस-पास साफ सफाई: सभापति श्री तोमर

इंटरनेशनल डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काई के अवसर पर वायु गुणवत्ता सुधार के लिये जन जागरूकता रैली आयोजित

ग्वालियर। वायु प्रदूषण हम सभी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, इससे बचने के लिए हम सभी को सावधानी रखनी होगी तथा नगर निगम ग्वालियर द्वारा अनेक फोगर मशीनों के माध्यमों से पानी का छिडकाव कर व स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए विभिन्न कार्यों से वायु गुणवत्ता में सुधार के प्रयास किए हैं, इसी का परिणाम है कि पहले के मुकाबले हमारे शहर में वायु गुणवत्ता में कुछ सुधार हुआ है। इसके लिए अपने आस पास सफाई रखें तथा ईधन चलित मशीनरी का कम सें कम उपयोग करें। उक्ताशय के विचार सभापति श्री मनोज तोमर ने नगर निगम ग्वालियर द्वारा नेशनल क्लीन प्रोग्राम के अंतर्गत इंटरनेशनल डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काई के अवसर पर वायु गुणवत्ता सुधार के लिये फूलबाग से आयोजित जन जागरूकता रैली हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, अधीक्षण यंत्री श्री जेपी पारा, नोडल अधिकारी श्री पवन शर्मा, कार्यशाला प्रभारी श्री शैलेन्द्र सक्सैना एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री किशोर चैहान सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के निर्देशानुसार नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के अंतर्गत नॉन अटेंटमेंट शहरों में आम नागरिकों को वायु गुणवत्ता में सुधार के प्रति जागरूक करने के लिये आज इंटरनेशनल डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काई के अवसर पर जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए बाल भवन पंहुची जहां नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने रैली का समापन किया। रैली में 8 फॉगर मशीन, 3 रोड स्वीपर मैकेनिकल मशीन सहित स्वच्छता में कार्यरत अन्य वाहनों का प्रदर्शन किया गया। फोगर मशीनों द्वारा पूरे रास्ते पानी की छिडकाव किया गया।

रैली के समापन अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने कहा कि भारत सरकार के 15वें वित्त आयोग द्वारा ग्वालियर शहर में वायु गुणवत्ता के सुधार के लिये ग्रांट प्रदान किया गया था। जिसका परिणाम है कि मध्य प्रदेश का ग्वालियर पहला ऐसा शहर बना जिसने अपने स्वच्छता के क्षेत्र में किये गए बेहतर प्रयासों के कारण वायु गुणवत्ता में पीएम-10 के स्तर में 13 प्रतिशत का सुधार हुआ है। जबकि प्रदेश के अन्य सभी शहर भोपाल (-1 प्रतिशत), इंदौर (-7 प्रतिशत) एवं जबलपुर (-10 प्रतिशत) में पीएम-10 के स्तर में सुधार नहीं पाया गया है। निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल ने सभी शहरवासियों से अपने आसपास व गली मोहल्ले एवं सडकों पर स्वच्छता रखने और किसी भी प्रकार की गंदगी न करने की अपील की।

12 वर्षों से युवा मंडली लगातार बैठा रही गणपति बप्पा

ग्वालियर। मेडिकल कॉलेज नाका चंद्रबनी के पीछे युवा मंडली द्वारा गणेश स्थापना की गई है। पंडाल में गणपति बप्पा शाही पगड़ी के साथ विराजमान हैं। 12 वर्षों से लगातार युवा मंडली द्वारा गणपति उत्सव मनाया जा रहा। मंडली में प्रमुख राहुल परिहार के साथ दिनेश परिहार, विशाल यादव, रितिक कुशवाह, सहित अन्य युवा गणेश उत्सव को प्रसन्नता के साथ मना रहे हैं जो नाका चंद्रबनी के क्षेत्र के लोगों के लिए युवाओं का उत्साह को लेकर काफी प्रसन्नता है।

छात्रा बोली-मम्मी चपरासी अंकल गंदे हैं

गुमसुम थी मानसिक दिव्यांग 10वीं की छात्रा, मां को इशारों में बताया दर्द

ग्वालियर। मम्मी, चपरासी अंकल गंदे हैं। मैं कोचिंग जाती हूं तो मुझे देखकर गंदे-गंदे इशारे करते हैं। कुछ दिन पहले मुझे टच किया। मैं वॉशरूम गई तो वहां आ गए। वहां अंधेरा था और मुझे लाइट ऑन करते समय करंट लग गया था। चपरासी अंकल ने गलत काम किया बोले इसमें करंट लगता है। एक दिन जब कोचिंग की छुट्?टी थी और बाहर बारिश हो रही थी। चपरासी अंकल कमरे में ले गए और गंदी-गंदी हरकत की। 16 साल की मानसिक रूप से दिव्यांग व पूरी तरह बोलने में कमजोर एक छात्रा ने मां को टूटी फूटी भाषा और इशारों में अपने साथ हो रहे शोषण के दर्द का समझाया।

छात्रा के साथ तीन महीने पहले कोचिंग पर चपरासी ने दुष्कर्म किया था। साथ ही किसी से कुछ कहने पर फिर से ऐसा करने की धमकी दी थी। छात्रा उसी दिन से चुप-चुप व सहमी सी थी। छात्रा ने पहले यह अपनी सहेगी और कोचिंग टीचर को बताई फिर मां को इशारों में सब कुछ समझा दिया। पुलिस ने छात्रा के मामले में उसकी मां की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। छात्रा के बयान लेने के लिए दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र से स्पेशल एजुकेटर को बुलाया गया था। पुलिस ने आरोपी चपरासी को गिरफ्तार कर लिया है।

ग्वालियर के जनकगंज निवासी 16 वर्षीय काजल (बदला हुआ नाम) दसवीं की छात्रा है। वह मानसिक रूप से दिव्यांग है। साथ ही आम बच्चों की तरह स्पष्ट बोलने में भी असमर्थ है। वह पास ही कोचिंग पर सुबह और शाम के समय क्लासेस जाती है। यहां भगत नाम का 55 वर्षीय अधेड़ चपरासी का काम करता है। यह अधेड़ चपरासी इस बच्ची पर बुरी नजर रखता था। उसे आए दिन गंदे-गंदे इशारे करता था। कभी भी मदद करने के बहाने उसे पकड़कर छूता था।

20 अगस्त की बात है जब कोचिंग में छात्रा पहुंची तो पता लगा कि बारिश के कारण छुट्?टी है। उस दिन वहां चपरासी भगत अकेला था। वह छात्रा को कमरे में ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही, धमकाया भी था कि किसी को कुछ बताया तो रोज ऐसा ही करूंगा। इससे छात्रा डरी और सहमी हुई थी। इसके बाद छात्रा ने कोचिंग पर जाते समय चपरासी अंकल से बात करना बंद कर दी, तो वह जबरदस्ती उससे बात करता था और उसे छूता था। छात्रा ने यह बात पहले कोचिंग पर बताई फिर घर पर मां को बताई। इसके बाद मां छात्रा को लेकर जनकगंज थाना पहुंची और शिकायत की है। छात्रा से बात करने के लिए महिला पुलिस ऑफिसर ने जेएएच स्थित दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र की स्पेशल एजुकेटर रजनी मुंद्रा का भी सहारा लिया है।

पहले आरोपी को किया गिरफ्तार फिर की एफआईआर

मासूम दिव्यांग छात्रा के साथ 55 वर्षीय भगत चपरासी के इस तरह की हरकत करने की खबर मिलते ही पुलिस ने पहले दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया उसके बाद मामला दर्ज किया है। मंगलवार रात आरोपी को पकड़ा गया है। बुधवार दोपहर आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

एलएनआईपीई के पीएचडी स्कॉलर ने फांसी लगाई, मौत

मथुरा से पढ़ने आया था ग्वालियर, सपना था कुछ कर गुजरने का

ग्वालियर। ग्वालियर के एलएनआईपीई में मथुरा उत्तर प्रदेश से पढ़ने का सपना लेकर आए एक पीएचडी स्कॉलर ने फांसी लगा ली। घटना बुधवार सुबह दीनदयाल हॉस्टल की है। जब वह क्लास में नहीं पहुंचा तो दोपहर में साथी रूम पर पहुंचे। अंदर रूम में वह फंदे पर लटका था। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।गोला का मंदिर पुलिस मौके पर पहुंची। फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। मृतक के सोशल मीडिया अकाउंट में फेसबुक पर इन एन ओपन रिलेशनशिप लिखा है। सिर्फ 1 जुलाई 2021 के फोटो है। बाकी सब हटा दिया गया है।

उत्तर प्रदेश मथुरा निवासी 25 संदेश राठौर पुत्र श्यामवीर राठौर एलएनआईपीई का छात्र है। वह परिसर स्थित पंडित दीनदयाल हॉस्टल में रहकर फिजिकल एजुकेशन (जिमनास्टिक) में पीएचडी कर रहा है। बुधवार सुबह वह अपनी क्लास में नहीं पहुंचा था, जिस पर उसका साथी उम्मेद सिंह दोपहर में तलाशता हुआ हॉस्टल आया, तो वह कमरे में फंदे पर लटका था। साथी को फांसी के फंदे पर लटका देखकर उसने शोर मचाया, तो अन्य छात्र वहां पर पहुंचे और कॉलेज प्रबंधन को सूचना दी। सूचना मिलते ही कॉलेज प्रबंधन मौके पर पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। गोला का मंदिर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को निगरानी में लेकर जांच की और शव डेड हाउस में रखवा दिया है। मृतक के परिजन को सूचना दी है। वह मथुरा से निकल पड़े हैं और पुलिस उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम कराएगी।

पुलिस ने आत्महत्या के कारण जानने के लिए मृतक का कमरा चेक किया, लेकिन वहां पर ना तो कोई सुसाइड नोट मिला है और ना ही अन्य जानकारी, जिससे आत्महत्या के कारण का पता चल सके।

फेसबुक पर एक साल पहले लिखा है माय रिया लव

स्पॉट पर मृतक के दोस्तों व स्टाफ के बीच चर्चा सुनाई पड़ी है कि संदेश की शादी को लेकर बात हो रही थी। कोई भी खुलकर कुछ बताने को तैयार नहीं है। संदेश की फेसबुक अकाउंट को सर्च किया, तो चर्चा को कुछ मजबूती मिली है। उसके वह कुंआरा था, लेकिन के रिलेशनशिप स्टेटस पर लिखा है ÷इन एन ओपन रिलेशनशिप% इसके साथ ही फेसबुक प्रोफाइल में उसने नाम के नीचे लिखा है ÷माय रिया लव % अब पुलिस परिजन से पता लगाएगी कि यह रिया कौन है। क्या उसके इस कदम के पीछे यही लव या इससे जुड़ा विवाद है। इतना ही नहीं छात्र के फेसबुक पर 1 जुलाई 2021 के अलावा न तो पहले न ही बाद में कोई पोस्ट या फोटो डाला गया है। ऐसा भी लग रहा है। जैसे, उसने सब कुछ डिलीट किया हो।

पुलिस का कहना

इस मामले में गोला का मंदिर थाना प्रभारी मिर्जा आसिफ बेग का कहना है कि एक छात्र ने फांसी लगाई है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल छात्र ने किन कारणों से सुसाइड किया है, इसका पता नहीं चला है।

संक्षिप्त समाचार

जनजातीय समाज के नायकों के साथ इतिहास में न्यायय नहीं किया गया है: सौलंकी

स्वातंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति

आयोग के संयुक्त तत्वावधान में विवि के गालव सभागार में बुधवार को स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों के योगदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व राज्यपाल प्रो.कप्तान सिंह सोलंकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो.अविनाश तिवारी ने की।मुख्य वक्ता के रूप में लेखक,विचारक व सामाजिक कार्यकर्ता मोहन नारायण एवं वक्ता के रूप में सहायक निदेशक अनुसूचित जनजाति आयोग सुश्री मीनाक्षी शर्मा उपस्थित रहीं। आजादी के अमृत महोत्सपव के तहत राष्ट्री य अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा देशभर के 125 विश्वविद्यालय के साथ मिलकर स्वदतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। है। इस श्रृंखला के तहत 07 सितंबर को जीवाजी विवि के गालव सभागार में हुए कार्यक्रम में मुख्यन वक्ता के तौर पर आमंत्रित लेखक, विचारक मोहन नारायण ने स्वातंत्रता संग्राम में महत्वीपूर्ण भूमिका निभाने वाले जनजातीय योद्धाओं का उल्लेरख किया। उन्होंनि कहा कि जनजातीय समाज से आने वाले हमारे नायकों के बारे में इतिहास में न्याहय नहीं किया गया है। सिद्धू कान्हू, बुद्धु भगत, शंकर शाह, तिलका मांझी जैसे वीरों ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, लेकिन इतिहास में जिस तरह से उसका वर्णन किया जाना चाहिए था वैसा नहीं किया गया। अंग्रेजों ने साजिश के तहत जनजाति समाज की गौरवशाली परंपरा को झुठलाकर उन्हें अपराधिक जनजाति घोषि?त कर दिया। दरअसल ऐसा इसलिए था क्योंकि जनजाति समाज ने कभी उनकी गुलामी को स्वी कार नहीं किया। वि?श्वविद्यालयों के साथ मिलकर ऐसे कार्यक्रमों को करने का उदे्श्यत भी यही है कि ताकि समाज को स्वंतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के योगदान का पता चल सके।वक्ता सुश्री मीनाक्षी शर्मा ने अनुसुचित जनजातीय आयोग के बारे में बताया।उन्होंने कहा कि आयोग का मूल कार्य अनुसूचित जनजाति के लिए किसी भी कानून में जो भी अधिकार दिए है उनका अनुपालन कराना है।

प्रो.अविनाश तिवारी ,कुलपति

कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे विश्विल। द्यालय के कुलपति प्रो.अविनाश तिवारी ने कहा कि जितनी समझ पर्यावरण के बारे मे अनुसूचित जनजाति को होती है उतनी आम नागरिक को नहीं होती है।यह पर्यावरण को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।यह प्राकृतिक संपदा जल,जंगल का संरक्षण करते है।औषधियों का ज्ञान इन्हें अधिक होता है।इनके अंदर जागरूकता लाने की जरूरत है।इनको मुख्य धारा से जोड़ना आवश्यक है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो.अविनाश तिवारी, कुलसचिव अरूण चौहान, प्रो.कप्तान सिंह सोलंकी, मोहन नारायण, सुश्री मीनाक्षी शर्मा, प्रो.एसके द्विवेदी, डॉ.हरेंद्र शर्मा,अजाक्स के जिलाध्यक्ष चौधरी मुकेश मौर्य, विवेक शर्मा सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान गाया गया।कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रो.एसके द्विवेदी ने व्यक्त किया।

गोपाचल पर भक्ति भाव सहित धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता संपन्न

ग्वालियर। ग्वालियर श्री सिद्धक्षेत्र दिगंबर जैन मंदिर गोपाचल पर जैन मिलन महिला गोपाचल द्वारा एक धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें सम्यक दर्शन सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र 3 टीमों ने भाग लिया इन तीनों में से सम्यक चारित्र टीम प्रथम स्थान प्राप्त किया जिसके निर्णायक वीरांगना प्रमोद बाला जैन वीरांगना रंजना जैन वीरांगना किरण जैन वीरांगना कल्पना जैन आदि के द्वारा निर्णय लिया गया। धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता श्री समाजशास्त्री भैया जी के निर्देशन में संपन्न कराई गई। प्रतियोगी के रूप में वीरांगना मोनिका जैन वीरांगना संध्या जैन वीरांगना अंशुल जैन वीरांगना मधु जैन वीरांगना सरिता जी वीरांगना नीरज जैन वीरांगना बहनों ने भाग लिया। इसी तरह की प्रतियोगिता इस पर्यूषण पर्व के अवसर पर प्रतिदिन की जा रही है हम सभी विजेताओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हैं इस अवसर पर वीर भाई भी मौजूद थे।

जलसोधन संयत्र में विद्युत फॉल्ट के चलते 8 सिम्बर को अनेक क्षेत्रों में कम दबाव से आएगा पानी

ग्वालियर। कार्यपालन यंत्री जलप्रदाय श्री संजय सिंह सोलंकी ने जानकारी देने हुए बताया कि जलसोधन संयत्र ओल्ड प्लांट मोतीझील पर विद्युत फॉल्ट होने के कारण मोतिझील स्थित दोनो जल सोधन संयत्र आज दिनांक 7 सितांम्बर सुबह 10.30 से शाम तक बन्द रहे प्लांट पर विद्युत संधारण कार्य किया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री जलप्रदाय श्री संजय सिंह सोलंकी ने बताया जिसके कारण इन्दरगंज, चेतकपुरी, माधव नगर, महाराजा मानसिंह, आमखो टंकीयां पूरी क्षमता में नहीं भर पायेंगी। जिसके कारण दिनांक 8 सितंम्बर 2022 को वार्ड क्रमांक 45, 46, 54, 55, 56, 57, 58 एवं 59 के निम्नानुसार क्षेत्रों में प्रातः होने वाला जल प्रदाय कम दबाब से हो सकेगा।

महापौर ने शमशान घाट जीर्णोद्धार के लिए किया भूमिपूजन

42 लाख की लागत से होगा कार्य

ग्वालियर। ग्वालियर। महापौर डॉ. श्रीमती शोभा सतीश सिकरवार ने आज वार्ड क्र.1 के बरा ग्राम में जीर्ण-क्षीर्ण शमशान घाट के जीर्णोद्धार के लिए 42 लाख रूपये की लागत से भूमिपूजन किया। इस मौके पर कॉग्रेस पार्टी के प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, क्षेत्रीय पार्षद सईदा आसिफ अली मुख्य रूप से मौजूद रही।

इस मौके पर महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने कहा कि क्षेत्रीय जनता लंबे समय से इस शमशान घाट के पुर्न-निर्माण की मांग कर रही थी, अब इसके निर्माण से ग्राम बरा और जाटवपुरा के नागरिकों को बड़ी समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम जनभावनाओं को ध्यान में रखकर विकास व प्रगति के कार्यों को गति दे रहे हैं।

महापौर ने मोजूद जनसमुदाय को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं का निराकरण कराने में कोई कसर नहीं छोडेंगे। इस मौके पर क्षेत्रीय पार्षद सईदा आसिफ अली एवं नागरिकों ने महापौर का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में सिद्धार्थ यादव, रनवीर सिंह, गब्बर सिंह यादव, सियाराम यादव, उवेद उल्लाह, आविद खान, धर्मेन्द्र यादव, जितेन्द्र यादव, मोनू यादव, अमित यादव, आकाश, राजेश एवं कालू यादव समेत ग्रामवासी मौजूद रहे।

त्याग साधु संतों का धर्म है, और दान श्रावक का धर्म है: मुनिश्री

जैन धर्म के 12 वें तीर्थकर भगवान वासपूज्य के मोक्षकल्याण पर 9 को पालकी शोभायात्रा निकाली जाएगी

ग्वालियर। संसार में कोई भी व्यक्ति तब तक सुखी नहीं हो सकता जब तक उसको किसी भी चीज की आकुलता है और आकुलता तब तक नष्ट नहीं हो सकती जब तक उसके पास कुछ भी परिग्रह है। इसलिए परम सुखी होने के लिए त्याग की आवश्यकता होती है। हमें परिग्रह का त्याग करना चाहिए। पूर्ण परिग्रह का त्याग ही दिगम्बर मुनिचर्या का आधार है। उक्त उद्गार पर्युषण पर्व के आठवें दिन बुधवार को उत्तम त्याग धर्म पर श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनमय वर्षायोग समिति व सहयोगी संस्था पुलक मंच परिवार ग्वालियर एवं मुख्य संयोजक मनोज जैन, जैन कॉलेज के तत्वावधान में माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

मुनिश्री ने कहा कि त्याग साधु संतों का धर्म है, और दान श्रावक का धर्म है। संसार में सभी धर्म को मानने वाले लोग दान की बात को स्वीकार करते हैं। दान चार प्रकार के होते है औषधि दान, आहार दान,अभय दान और ज्ञान दान। साथ ही आज के युग में मनीषियों ने एक पांचवा दान करूणा दान को माना है। यह दान सभी प्रकार के दान में आता है। किसी निर्धन की सेवा करना, रोगी का इलाज कराना, भूखे को भोजन कराना और असहाय को सहारा देना यह सब करुणा दान में आता है। दीन दुखी,अनाथ, विधवा, साधर्मी भाई-बहनों की गुप्त सहायता करते रहना गृहस्थ का सबसे बड़ा धर्म है। गुप्त दान का फल बहुत मिलता है इससे न तो लेने वाले को संकोच होता है न तो देने वाले को अभिमान होता है। दान देने वाला कभी दरिद्र, गरीब नहीं होता, उसका भंडार सदा भरपुर रहता है। अपनी शक्ति के अनुसार प्रत्येक मनुष्य को कुछ न कुछ दान अवश्य करते रहना चाहिए। पता नहीं यह आयु कब समाप्त हो जाए। यह त्याग धर्म हमें इसी नियम से अवगत कराता है।

गुमशुदा युक्ति की तलाश में जुटी पुलिस

ग्वालियर। ग्वालियर थाना क्षेत्र से एक युवती विगत 15 दिनों से लापता है जिसकी ग्वालियर थाना पुलिस जांच कर रही है लेकिन अभी तक युक्ति का कोई पता नहीं चल सका है। जानकारी के मुताबिक नरेश कुमार शकवार पुत्र राम दुलारे शकवार 47 वर्ष निवासी तुलसी विहार सेवा नगर ने पुलिस को बताया कि 18 अगस्त को दोपहर 3ः00 बजे के करीब बदला नाम पूजा घर से बिना बताए कहीं चली गई है। जिसे आसपास एवं रिश्तेदारों में खोजने के बाद भी ना मिलने पर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है रिपोर्ट में बताया गया है कि युवती का रंग गोरा कद4.5 फिट जो काले कलर का प्लाज्मा एवं मेहंदी कलर की कुर्ती पहने हुए हैं। युवती के पिता ने शक जाहिर करते हुए पड़ोस में रहने वाले मोनू शाक्य के भाई जोगेंद्र शाक्य पर शंका व्यक्ति है पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478